केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

मन की ख़ुशी सबसे बड श्रृंगार है जिसकी चमक और झलक चेहरे पर साफ नजर आती है

वर्ष : 17 अंक : 22

उज्जैन, गुरुवार 02 जुलाई 2026

पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

धान की फसल पर भी देंगे भावांतर योजना का लाभ : मुख्यमंत्री

किसानों की तरक्की से ही देश-प्रदेश में आयेगी समृद्धि

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे हलधर किसान सिर्फ अन्नदाता नहीं, इस धरा के वास्तविक शुभंकर है। वे अपने अथक परिश्रम से पूरे समाज का उदर-पोषण करते हैं। किसानों की खुशहाली ही हमारी सरकार का संकल्प हैं क्योंकि किसान समृद्ध होगा, तभी हमारा प्रदेश और देश समृद्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाकौशल की धरती धान उत्पादन के लिए जग प्रसिद्ध है। शेर की दहाड़ और सतपुड़ा के पहाड़ और अब यहां की छत्रिय धान इस क्षेत्र की बड़ी पहचान है। छत्रिय धान को अब भौगोलिक संकेतक टैग (जीआई टैग) मिल गया है। यह हमारी देशज और पारंपरिक कृषि का वैश्विक सम्मान है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के धान उत्पादक किसानों के हित में बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि अब धान की फसल पर भी भावांतर योजना का लाभ दिया जाएगा। राज्य सरकार धान उत्पादक किसानों को एमएसपी और बाजार मूल्य के बीच के अंतर की राशि का भुगतान करेगी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत जी-राम-जी योजना (मनरेगा का नया स्वरूप) के तहत प्रदेश में विभिन्न श्रेणी के कार्यम लगातार चलायें जाएंगे। किसानों और रोजगार के जरूरतमंदों को कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को सिवनी जिला मुख्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय धान महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत प्रदेश के 3 हजार 941 किसानों को 1 हजार रुपए प्रति क्विंटल की दर से कोदो-कुटकी के बोनस के रूप में 2 करोड़ 84 लाख रुपए किसानों के खातों में अंतरित किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार श्रीअन्न उत्पादक किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के साथ-साथ बोनस भी दे रही है। हमने प्रदेश में पहली बार शासकीय स्तर पर कोदो कुटकी खरीदने के लिए अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) 2.0 योजना अंतर्गत प्रदेश के 16 हजार 754 से अधिक श्रमिक परिवारों को 365 करोड़ की अनुग्रह सहायता राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। साथ ही 494 करोड़ 16 लाख रुपये की लागत से 629 विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण कर सिवनी जिले को बड़ी सौगात दी। इसमें 349.33 करोड़ रुपये की लागत के 586 विकास कार्यों का लोकार्पण और 144.83 करोड़ रुपए की लागत के 43 विकास कार्यों का भूमि-पूजन शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट से सिवनी तक फोरलेन रोड निर्माण कार्य की घोषणा करते हुए कहा कि जिले के छपारा ब्लॉक के ग्राम चमारी में शासकीय महाविद्यालय खोला जाएगा। ग्राम सागर से खटकर तक पक्की रोड का निर्माण किया जाएगा। ग्राम छिड़िया पलारी में नगर वन स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिवनी जिले के हर विधानसभा क्षेत्र में एक-एक मिनी स्टेडियम ?का निर्माण कराने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 1 से 15 जुलाई तक स्कूल चलो अभियान चलाया जा रहा है। सभी अपने बच्चों को स्कूलों में प्रवेश कराएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के %एक देश, एक विधान, एक निशान, एक प्रधान% के ध्येय को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इसी माह प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए प्रस्ताव लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जनजातीय बंधुओं को यूसीसी के दायरे से पृथक रखा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में 10 लाख से अधिक लोगों ने राज्य सरकार के यूसीसी प्रस्ताव का समर्थन किया है। हम तेजी से इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहले कोदो-कुटकी, ज्वार, बाजरा, मक्का को गरीबों की फसल कहा जाता था। उसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने के लिये योजना शुरू कर देश-दुनिया में इसका मान बढ़ाया। श्रीअन्न में मौजूद तत्व सबसे जल्दी पचता है। राज्य सरकार ने पिछले साल से श्रीअन्न खरीदने की शुरुआत की है। इस वर्ष मानसून पर अलनीनो का प्रभाव नजर आ रहा है। अगर बारिश कम होती है तो किसानों को तैयार रहना चाहिए कि वे कोदो कुटकी सहित सभी फसलों को तैयार कर लें। प्रदेशभर में जल गंगा संरक्षण अभियान के अंतर्गत लाखों काम हुए हैं। सभी प्रदेशवासी पानी की महत्ता को समझें। वी-बी-जी रामजी अधिनियम देश में लागू हो चुका है। इसके तहत प्रदेश के गांव-गांव में बहुतायत में अमृत सरोवरों का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लाड़ली बहनों को हर माह 1500 रुपए की राशि दे रही है। किसानों को किसान सम्मान निधि मिल रही है। राज्य में दीपावली के बाद भव्यता के साथ गोवर्धन जयंती मनाई जाएगी। मध्यप्रदेश में दूध-दही की नदियां बहती हैं। सरकार दूध उत्पादन और मछली उत्पादन को बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है। युवाओं को नए कॉलेज और प्रशिक्षण की सौगात मिल रही है। मध्यप्रदेश सबसे कम बेरोजगारी दर वाला राज्य है।

न्यूज ब्रीफ

30 दिनों तक जेल में रहे तो जाएगी मंत्री की कुर्सी? मानसून सत्र में पेश हो सकता है बिल

नई दिल्ली/ जीएनएस। विवादित 130वें संविधान संशोधन विधेयक की पड़ताल कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट को स्वीकृति दे सकती है। जिसके बाद सरकार इसे मानसून सत्र में संसद में पेश कर सकती है। संकेत हैं कि यह विधेयक के सबसे विवादित प्रविधान को बनाए रखेगी, जिसके तहत गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और केंद्र या राज्य के मंत्रियों को गिरफ्तार होने एवं लगातार 30 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहने पर स्वत- पद से हटा दिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, समिति की बुधवार को एक बैठक हुई और 17 जुलाई को फिर बुलाई गई है। विचार-विमर्श के दौरान कई हितधारकों द्वारा उठाई गई चिंताओं के बावजूद समिति द्वारा विवादित प्रविधान हटाने की सिफारिश करने की संभावना नहीं है। हालांकि, रिपोर्ट में ऐसे सुरक्षा उपाय शामिल होने की उम्मीद है जिनका मकसद इस प्रविधान का राजनीतिक बदले या गलत मकसद से किए गए दुरुपयोग को रोकना होगा। प्रस्तावित संशोधन ने तीखी राजनीतिक बहस शुरू कर दी है, जिसमें इसके समर्थकों का तर्क है कि इससे सार्वजनिक पदों पर जवाबदेही मजबूत होगी, जबकि आलोचकों ने चेतावनी दी है कि इसका इस्तेमाल राजनीतिक मकसद से की गई जांच और गिरफ्तारियों के जरिये निर्वाचित सरकारों को अस्थिर करने के लिए किया जा सकता है।

गो-हत्या पर मद्रास ||ष्ट ने लगाई थी रोक, आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची तमिलनाडु सरकार

नई दिल्ली/ जीएनएस। तमिलनाडु में गोवंश की हत्या पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने वाले मद्रास हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार ने अब देश की सबसे बड़ी अदालत, सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु की राजनीतिक पार्टी हिंदू मक्कल काची के महासचिव के. सूर्य प्रशांत की एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए 27 मई को राज्य में गाय और बछड़ों के वध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया था।

कोर्ट ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि बकरीद या किसी भी अन्य दिन पूरे राज्य में कहीं भी गोवध न हो।

हाई कोर्ट ने अपने इस फैसले के लिए 1976 के एक पुराने आदेश का हवाला दिया था, जिसका उद्देश्य दुग्ध उत्पादन बढ़ाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना था।

हालांकि, याचिकाकर्ता ने केवल निर्धारित स्थानों पर ही वध करने की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने इस पर पूरी तरह रोक लगा दी।

तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी याचिका में इस फैसले को तमिलनाडु पशु संरक्षण अधिनियम, 1958 के खिलाफ बताया है। सरकार का तर्क है कि मौजूदा कानून 10 वर्ष से अधिक उम्र की उन गायों के वध की अनुमति देता है जो काम करने या प्रजनन के योग्य नहीं रह गई हैं, बशर्ते इसके लिए सक्षम प्राधिकारी से प्रमाण पत्र लिया गया हो। सरकार का मानना है कि इस तरह का पूर्ण प्रतिबंध व्यावहारिक नहीं है और यह दशकों पुराने संतुलित कानूनी ढांचे को प्रभावित करता है। अब सभी की नजरें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी हैं कि वह इस संवेदनशील और महत्वपूर्ण मामले में क्या रुख अपनाता है।

अब न डाकिया भटकेगा और न एंबुलेंस, सड़कों की होगी कोडिंग; सरकार का मास्टर प्लान तैयार

नई दिल्ली/ जीएनएस। ई-कॉमर्स कंपनियों ने तेजी से अपनी सेवाओं का विस्तार किया है, लेकिन दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में इनके कदम अब भी ठिठके हुए हैं। कारण कि अंदरूनी ग्रामीण सड़कों के पते स्पष्ट नहीं हैं। डाकिया का व्यक्तिगत संपर्क न हो तो वह भटकता रहे, क्योंकि सड़कें गुमनाम हैं तो पते भी अस्पष्ट।

नेविगेशन की ऐसी ही समस्या कभी एंबुलेंस सेवा में तो कभी दूसरी सेवाओं में। आजादी के इतने वर्षों बाद भी इस ओर किसी सरकार का ध्यान नहीं गया, लेकिन पहली बार पंचायतीराज मंत्रालय होल ऑफ गवर्नमेंट के एप्रोच के साथ कई मंत्रालयों की सहभागिता से गांवों की अंदरूनी सड़कों को नाम और पहचान देने जा रहा है। हर सड़क का अपना कोड होगा, डिजीपिन कोड भी होगा।

गांवों की अंदरूनी सड़कें कोई स्पष्ट पहचान-पता न होने के कारण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के नेटवर्क से भी गायब हैं। देश के सड़क के डेटाबेस में यह सड़कें शामिल ही नहीं हैं। इस कारण नागरिकों, सर्विस देने वालों, इमरजेंसी में मदद करने वालों के साथ ही लास्ट-माइल नेविगेशन और सर्विस पहुंचाने के मामले में प्रशासन के सामने भी चुनौतियां हैं।

इसे समझते हुए पंचायतीराज मंत्रालय ने राष्टीय स्तर पर स्टैंडर्ड, जियो-कोडेड विलेज रोड कोडिंग और एड्रेसिंग सिस्टम बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। प्रस्तावित रोड कोडिंग और ग्रेडिंग सिस्टम को डिजीपिन, ग्राम मानचित्र और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के रोड कोडिफिकेशन स्टैंडर्ड के साथ जोड़ा जाएगा।

मंत्रालय का दावा है कि इससे सर्विस डिलीवरी में सुधार होगा, भारत के डिजिटल ट्रांसफार्मेशन में तेजी आएगी, जियोस्पेशल डेटा मैनेजमेंट के लिए सटीक लोकेशन की जानकारी और एक यूनिफाइड प्लेटफॉर्म मिलेगा।

साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से उन ग्रामीण बस्तियों को भी जोड़ा जा सकेगा, जो अभी तक नहीं जुड़ी हैं। गुमनाम सड़कों के बार-बार निर्माण सहित कई प्रकार के भ्रष्टाचार पर भी इससे अंकुश लगने की संभावना है।

जनसांख्यिकी परिवर्तन समिति ने अमित शाह से की मुलाकात

नई दिल्ली/ जीएनएस। जनसांख्यिकी परिवर्तन पर गठित उच्च स्तरीय समिति ने गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान समिति ने शाह को बताया कि वह जमीनी स्तर पर सीधी जानकारी हासिल करने के लिए अलग-अलग राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा करेगी।

समिति ने यह भी बताया कि राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के दौरों को अधिक सार्थक और इंटरैक्टिव बनाने के लिए, उनसे जरूरी जानकारी पहले से प्राप्त करने के लिए एक विस्तृत प्रश्नावली भी तैयार कर ली गई है।

सरकार ने 26 मई को सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत न्यायाधीश जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति का गठन किया था। गृह मंत्री ने हाई लेवल कमिटी को जल्द से जल्द अपनी सिफारिशें देने का सुझाव दिया। मुलाकात के दौरान उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों ने अमित शाह को बताया कि राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों का दौरा करने के साथ ही समिति केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों से भी बातचीत करेगी ताकि जनसंख्या में बदलाव से जुड़े विषयों पर उनका भी फीडबैक लिया जा सके।

टेक्नोलॉजी, फ्यूचर और मल्टी डोमेन... युद्ध के नए आयामों के लिए सेना को तैयार करेंगे सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ

नई दिल्ली/ जीएनएस। नए सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ भारतीय सेना को वैश्विक युद्ध के उभरते नए आयामों और चुनौतियों के मद्देनजर एक शक्तिशाली प्रहारक सैन्य बल बनाने को शीर्ष प्राथमिकता देंगे।

सेना प्रमुख की कमान संभालने के पहले ही दिन जनरल धीरज सेठ ने बुधवार को इसके लिए अति आधुनिक टेक्नोलॉजी पर भारतीय सेना के लिए अपना विजन VIJAY यानि विजय का रोडमैप पेश किया।

नए सेना प्रमुख का विजय विजन-सेना के भविष्य के बदलाव को दिशा देने वाली मुख्य प्राथमिकताओं को बताने के लिए विजय की जरूरत को रेखांकित करते हुए कहा कि सेना को बदलते सुरक्षा माहौल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार रहना होगा।

सेना प्रमुख ने वी-विजलेंस यानि सतर्कता, आई-इनोवेशन, जे-ज्वाइंटनेंस और इंट्रीग्रेशन यानि संयुक्तता तथा एकजुटता ए-यानि आत्मनिर्भरता और वाई-योद्धा सबसे पहले के दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए कहा कि भारतीय सेना लड़ाई के लिए तैयार और अनुभवी सैन्य बल है। ऐसे में उनका मकसद एक ऐसी सेना बनाना है जो टेक्नोलाजी से लैस हो, भविष्य के लिए तैयार हो और कई क्षेत्रों (डोमेन) में काम करने में पूरी तरह सक्षम हो।

नितिन नवीन का उपहास उड़ाने पर घिरे रेवंत रेड्डी, भाजपा बोली- जल्द टूट जाएगा मुख्यमंत्री का अहंकार

नई दिल्ली/ जीएनएस। भाजपा के राष्टीय अध्यक्ष नितिन नवीन का उपहास उड़ाने पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी घिर गए हैं। भाजपा ने पार्टी अध्यक्ष का उपहास उड़ाने पर बुधवार को रेड्डी की तीखी आलोचना की और कहा कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के साथ रेड्डी का अहंकार टूट जाएगा।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने मंगलवार को भाजपा अध्यक्ष की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से 2028 के तेलंगाना विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के लिए काम करने को कहा था।

रेड्डी ने कहा कि भाजपा को बंगाल विधानसभा चुनाव जीतने में 15 साल लग गए और तेलंगाना में भी उसका यही हाल होगा। उन्होंने हैदराबाद में एक कार्यक्रम में कहा, हाल ही में एक व्यक्ति यहां आए थे, नवीन या जो भी नाम हो, मुझे उनका नाम ठीक से नहीं पता, लेकिन वह यहां आकर कहते हैं कि अगली सरकार उनकी होगी। रेड्डी ने कहा, आपने बंगाल के बारे में भी यही बात कही थी। वहां सरकार बनाने में 15 साल लग गए, लेकिन यहां हमारे सभी लोग तैयार हैं और वे आपको कुचल देंगे। मुख्यमंत्री के इस बयान पर भाजपा के राष्टीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने उन्हें कांग्रेस का दरबारी और अहंकारी नेता बताया। शुक्ला ने यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से कहा, अहंकार में डूबे रेवंत रेड्डी को अपनी आंखों को खोलकर देखना चाहिए कि नितिन नवीन भाजपा के राष्टीय अध्यक्ष हैं, जो दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी और देश के 22 राज्यों में सत्ता में है।

पाकिस्तान में तोड़ा गया 125 साल पुराना गुरुद्वारा, भारत ने कहा- जानबूझकर की गई हरकत

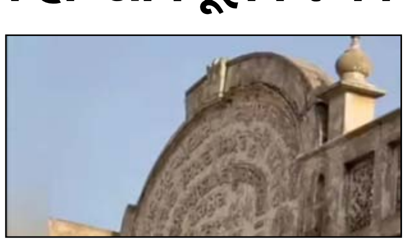

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत ने पाकिस्तान के फारूकाबाद स्थित 125 वर्ष पुराने श्री गुरु सिंह सभा साहिब गुरुद्वारा के विध्वंस की घटना को अत्यंत दुखद और निंदनीय बताते हुए कड़ी निंदा की है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि, हमने इस ऐतिहासिक और पवित्र गुरुद्वारे के तोड़े जाने की रिपोर्ट देखी है। हम इस अत्यंत निंदनीय और लक्षित तोड़-फोड़ की घटना की घोर निंदा करते हैं। इस विध्वंस को लेकर स्थानीय प्रशासन और इवेक्यूई ट्रस्ट प्रापर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) की ओर से कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने की खबरें गंभीर चिंता का विषय हैं।

पाकिस्तान में जान-बूझकर तोड़े जा रहे धार्मिक स्थल -जायसवाल ने कहा कि यह कोई एकाकी घटना नहीं है। पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों और उनके पूजा स्थलों को निशाना बनाकर हमले जारी हैं। भारत ने पाकिस्तान सरकार से इस घटना की तुरंत जांच करने और दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की है। भारत ने यह भी कहा है कि गुरुद्वारे के तोड़े गए हिस्सों का शीघ्र पुनर्निर्माण किया जाए और अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित की जाए। भारत ने कहा है कि पाकिस्तान में सांप्रदायिक हिंसा और धार्मिक असहिष्णुता के लगातार बने माहौल को समाप्त किया जाए। भारत ने पाकिस्तान को याद दिलाया कि वह अपने अल्पसंख्यकों के प्रति अंतरराष्टीय दायित्वों को पूरा करे।

जायसवाल का कहना है कि पाकिस्तान को अपने अल्पसंख्यक समुदायों और उनके धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और वहां व्याप्त सांप्रदायिक हिंसा व धार्मिक असहिष्णुता के माहौल को समाप्त करना चाहिए।

भारत पहुंचीं जापानी पीएम सनाए तकाईची: हिंद-प्रशांत क्षेत्र और आर्थिक सुरक्षा पर PM मोदी संग करेंगी मंथन

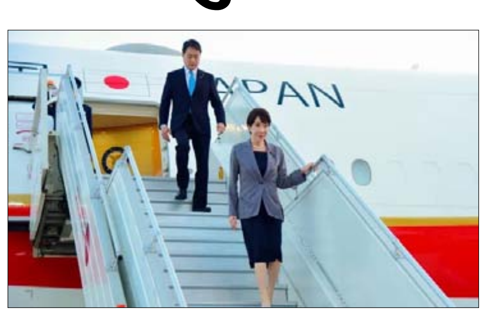

नई दिल्ली/ जीएनएस। जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाईची बुधवार देर शाम नई दिल्ली पहुंची। गुरुवार को उनकी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शिखर बैठक होगी। दोनों नेता 16वें भारत-जापान सालाना सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे, जिसे मौजूदा वैश्विक उथल-पुथल के बीच बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारत रवाना होने से पहले जापानी प्रधानमंत्री ने कहा था, अंतरराष्टीय स्थिति तेजी से अनिश्चित होती जा रही है, ऐसे समय में जापान के साथ मौलिक मूल्यों और सामरिक हितों को साझा करने वाले भारत के साथ सहयोग पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। इस यात्रा के माध्यम से मैं प्रधानमंत्री मोदी के साथ आर्थिक सुरक्षा, निवेश और नवाचार के क्षेत्र में ठोस सहयोग को आगे बढ़ाना चाहती हूं। प्रधानमंत्री तकाईची ने भारत पहुंचते ही कहा कि जापान-भारत संबंधों को और मजबूत करना उनका मुख्य उद्देश्य है। यह दौरा फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक को बढ़ावा देने और दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाई देने वाला साबित होगा।

जापानी पीएम के इस बयान को अमेरिकी सरकार के इस ताजे फैसले से जोड कर देखा जा रहा है जिसमें अमेरिकी सैन्य कमांड के लिए इंडो पैसिफिक क्षेत्र का नाम बदल कर सिर्फ पैसिफिक कमांड कर दिया गया है।

जानकारों के मुताबिक, मोदी और तकाईची के बीच होने वाली बैठक में हिंद प्रशांत क्षेत्र की स्थिति पर खास तौर पर बात होगी। नई वैश्विक व्यवस्था में अमेरिकी नीति में जिस तरह से हिंद प्रशांत को लेकर अस्पष्टता दिख रही है उसको देखते हुए जापान व भारत की आपसी रणनीति क्या होगी, इस पर पूरी दुनिया की नजर होगी।

गुरूवार को होने वाली शिखर वार्ता में दोनों नेता द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा करेंगे। इसमें जापान की तरफ से भारतीय बाजार में 10 अरब येन निवेश एक बड़ा एजेंडा होगा। बैठक में उन क्षेत्रों का चयन होगा जहां यह निवेश किया जाना है।

दूसरा एजेंडा, समग्र आर्थिक साझेदारी समझौता (सीपा) को लेकर चल रही वार्ताओं की समीक्षा और आगे की दिशा होगी। साथ ही जापान की जरूरत के मुताबिक प्रशिक्षित भारतीय कामगारों को भेजने पर भी बात होनी है। दोनों देशों के बीच पहले ही पांच वर्षों में पांच लाख भारतीय प्रशिक्षित कामगारों को जापान भेजने की सहमति बनी है।

जब न्याय की प्रतीक्षा प्रतिशोध में बदल जाती है: दो फिल्मों के बहाने समाज के आक्रोश की पड़ताल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं होता। कई बार वह समाज के भीतर वर्षों से सुलग रहे आक्रोश, असुरक्षा, न्याय व्यवस्था के प्रति अविश्वास और मानवीय संवेदनाओं को इस तरह पर्दे पर उतार देता है कि दर्शक केवल कहानी नहीं देखता, बल्कि स्वयं को उसके भीतर खड़ा हुआ महसूस करता है।

हाल में चर्चित फिल्म धुरंधर और विवादों में रही Citizen Vigilante इसी श्रेणी की फिल्में हैं। दोनों की पृष्ठभूमि अलग है, पात्र अलग हैं और सामाजिक संदर्भ भी भिन्न हैं, लेकिन एक प्रश्न दोनों के केंद्र में समान रूप से उपस्थित है–यदि पीड़ित को न्याय मिलने की आशा समाप्त हो जाए, तो उसके भीतर जन्म लेने वाले प्रतिशोध को क्या केवल अपराध कहकर समझा जा सकता है?

पीड़ा की पराकाष्ठा और एक भाई का आक्रोश - धुरंधर में घटनाएँ उस समय निर्णायक मोड़ लेती हैं, जब एक राजनीतिक रूप से प्रभावशाली परिवार के गुंडे नायक जस्सी के परिवार को बर्बाद कर देते हैं। पिता की हत्या, बहनों पर अत्याचार और छोटी बहन का अपहरण– इन घटनाओं के बाद जस्सी प्रतिशोध के मार्ग पर चल पड़ता है।

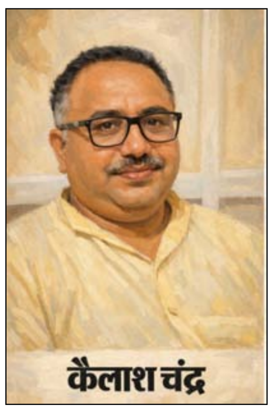

फिल्म में हिंसा के अनेक दृश्य हैं, किंतु उनका उद्देश्य केवल रक्तपात दिखाना नहीं, बल्कि उस मानसिक स्थिति को उकेरना है जिसमें एक व्यक्ति अपने भीतर बची हुई समूची संवेदना खो बैठता है।

फर भी फिल्म का सबसे मार्मिक क्षण हिंसा नहीं, बल्कि वह दृश्य है जब जस्सी अपनी बंधक बनाई गई छोटी बहन तक पहुँचता है। भाई को देखते ही बहन की दबाई हुई चीखें और टूटता हुआ साहस उस दर्द को व्यक्त कर देता है जिसे किसी संवाद की आवश्यकता नहीं होती।

इसी प्रकार अदालत से बाहर आने के बाद जस्सी का अपनी माँ से कहना– फौज में मरता तो शहीद कहलाता–और माँ का उसे गले लगाकर मेरा फौजी बच्चा कहना, फिल्म के सबसे भावनात्मक दृश्यों में शामिल हो जाता है। यह दृश्य बताता है कि कानून और समाज का निर्णय अपनी जगह है, लेकिन माँ की दृष्टि में उसका बेटा अब भी वही बच्चा है, जिसे उसने अपने संस्कारों के साथ बड़ा किया था।

जब व्यवस्था पर भरोसा टूटने लगे- दूसरी ओर, Citizen Vigilante न्याय व्यवस्था से उपजी निराशा को एक अलग सामाजिक संदर्भ में प्रस्तुत करती है। कहानी एक नाबालिग पीड़िता के साथ हुए जघन्य यौन अपराध से आरम्भ होती है। न्यायालय द्वारा आरोपियों को सुधार का अवसर दिए जाने के बाद फिल्म का केंद्रीय पात्र स्वयं न्याय करने का मार्ग चुनता है।

फिल्म में वह केवल अपराधियों से ही नहीं, बल्कि उनके परिवारों और उनकी सोच से भी प्रश्न करता है। अपराध, सांस्कृतिक टकराव, प्रवासन, पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषय कथा के माध्यम से सामने आते हैं।

यद्यपि फिल्म का वैचारिक दृष्टिकोण अत्यंत स्पष्ट है और कई समीक्षकों ने इसे एकतरफा तथा विवादास्पद माना है, फिर भी यह पश्चिमी समाज के एक वर्ग में मौजूद उस असंतोष को अभिव्यक्त करती है, जो अपराध और न्याय व्यवस्था को लेकर लगातार बढ़ता दिखाई देता है।

सिनेमा का प्रश्न, समाज का उत्तर-इन दोनों फिल्मों की सबसे बड़ी समानता यह है कि इनके नायक स्वयं को व्यवस्था द्वारा असहाय महसूस करते हैं। जब संस्थाओं पर विश्वास कमजोर पड़ता है, तब प्रतिशोध उन्हें न्याय का विकल्प दिखाई देने लगता है।

यही कारण है कि दर्शक कई बार पात्रों के क्रोध को समझ तो लेता है, भले ही उनके तरीकों से सहमत न हो।

सिनेमा का कार्य केवल समाधान देना नहीं, बल्कि कठिन प्रश्नों को समाज के सामने रखना भी है। धुरंधर और Citizen Vigilante यही करती हैं। वे दर्शकों को यह सोचने के लिए विवश करती हैं कि न्याय केवल अदालतों का विषय नहीं, बल्कि समाज के नैतिक विश्वास का भी आधार है।

निष्कर्ष- प्रतिशोध की कहानियाँ सदैव आकर्षित करती रही हैं, क्योंकि वे मनुष्य की सबसे तीव्र भावनाओं–दर्द, अपमान, क्रोध और न्याय की आकांक्षा–को एक साथ सामने लाती हैं। किंतु वास्तविक जीवन में न्याय और प्रतिशोध के बीच का अंतर बनाए रखना ही किसी सभ्य समाज की पहचान है।

इसीलिए ऐसी फिल्मों को केवल एक्शन या हिंसा के चश्मे से नहीं, बल्कि उस सामाजिक मनोविज्ञान के दस्तावेज़ के रूप में भी देखा जाना चाहिए, जो व्यवस्था से निराश लोगों के मन में उठ रहे प्रश्नों और आक्रोश को अभिव्यक्ति देता है।

सड़क सुरक्षा के साथ साइबर सुरक्षा का संदेश, इंदौर के चौराहों पर चला सेफ क्लिक 2.0 जागरूकता अभियान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क सुरक्षा के साथ-साथ साइबर अपराधों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से इंदौर यातायात पुलिस ने बुधवार को शहर के प्रमुख चौराहों पर विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया। सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत ट्रैफिक प्रहरियों और यातायात पुलिस ने रैली निकालकर हजारों वाहन चालकों को सुरक्षित यातायात और सुरक्षित डिजिटल जीवन का संदेश दिया। पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह और पुलिस उपायुक्त (क्राइम/यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान के दौरान प्रमुख चौराहों पर रेड लाइट के समय स्टॉप लाइन के पीछे खड़े वाहन चालकों को साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। अभियान के दौरान ट्रैफिक प्रहरी संस्था और यातायात पुलिस की टीम ने तख्तियों, साइबर जागरूकता रथ और पंपलेट के माध्यम से लोगों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, फिशिंग लिंक, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया ठगी, क्यूआर कोड स्कैम और केवाईसी फ्रॉड जैसे साइबर अपराधों से बचने के आसान और प्रभावी उपाय बताए। पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों से अपील की कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, अपना ओटीपी, पिन, पासवर्ड या बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। साथ ही किसी भी संदिग्ध साइबर गतिविधि की सूचना तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 या www.cybercrime.gov.in पर दें। यातायात पुलिस ने नागरिकों से यह भी आग्रह किया कि वे स्वयं जागरूक रहें और साइबर सुरक्षा से जुड़े इन महत्वपूर्ण संदेशों को अपने परिवार, मित्रों और परिचितों तक भी पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग ऑनलाइन ठगी से सुरक्षित रह सकें। अभियान के दौरान हजारों वाहन चालकों तक सड़क सुरक्षा और साइबर सुरक्षा का संदेश पहुंचाया गया। यातायात प्रबंधन पुलिस का कहना है कि भविष्य में भी इस प्रकार के संयुक्त जनजागरूकता अभियान लगातार आयोजित किए जाएंगे, जिससे नागरिक सुरक्षित यातायात के साथ सुरक्षित डिजिटल जीवन भी अपना सकें।

सुरक्षित डिजिटल भविष्य का संकल्प, पुलिस कमिश्नर ने अधिकारियों-कर्मचारियों को दिलाई साइबर सुरक्षा की शपथ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस के सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा और डिजिटल जागरूकता की शपथ दिलाकर सुरक्षित डिजिटल समाज के निर्माण का संकल्प दिलाया। पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में प्रत्येक माह के प्रथम दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन से हुई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन-2 श्री अमन सिंह राठौड़ सहित पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके बाद पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई। शपथ के दौरान सभी ने डिजिटल और ऑनलाइन माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने, अपनी निजी एवं गोपनीय जानकारी किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने तथा साइबर अपराधों के प्रति हमेशा सतर्क और जागरूक रहने का संकल्प लिया। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने यह भी प्रण लिया कि वे अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करेंगे।

इंदौर में आकार ले रही देश की सबसे बड़ी स्वामी विवेकानंद प्रतिमा, महापौर ने किया निर्माण कार्य का निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के वार्ड क्रमांक 85 में स्थापित की जा रही देश की सबसे बड़ी स्वामी विवेकानंद प्रतिमा का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रतिमा के लिए बनाए जा रहे पेडेस्टल (आधार मंच) का निर्माण तेजी से जारी है। बुधवार को महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने नगर निगम अधिकारियों के साथ निर्माण स्थल का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और निर्माण एजेंसी को समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए और सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं, ताकि आगामी माह में तिथि निर्धारित कर स्वामी विवेकानंद की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया जा सके। निर्माण एजेंसी ने भी कार्य को तेजी और गुणवत्ता के साथ पूरा करने का भरोसा दिलाया।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक 84 में निर्माणाधीन शासकीय विद्यालय का भी अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को विद्यालय निर्माण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा तय समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

महापौर ने कहा कि इंदौर में विकसित की जा रही ये महत्वपूर्ण परियोजनाएं शहर की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगी।

अपनी शिक्षास्थली पहुंचे मंत्री तुलसीराम सिलावट, छात्र जीवन की यादों से हुए भावुक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट बुधवार को नए शिक्षा सत्र के अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय पहुंचे। वर्षों बाद अपनी शिक्षास्थली में पहुंचकर वे छात्र जीवन की यादों में खो गए और भावुक होकर महाविद्यालय की पावन भूमि को साष्टांग दंडवत प्रणाम किया। उनका यह भावनात्मक पल परिसर में उपस्थित विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और अधिकारियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि इसी शिक्षण संस्थान ने उन्हें जीवन की दिशा, संस्कार और जनसेवा का मार्ग दिखाया। उन्होंने बताया कि छात्र जीवन के दौरान वे इसी महाविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे और यहीं से उनके सार्वजनिक जीवन की शुरुआत हुई। बाद में वे देवी अहिल्या विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष भी बने और छात्र राजनीति के माध्यम से जनसेवा की यात्रा प्रारंभ की, जो आज भी निरंतर जारी है।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए श्री सिलावट ने कहा कि शिक्षण संस्थान केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारियों की सबसे महत्वपूर्ण पाठशाला होते हैं। उन्होंने युवाओं से शिक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सरोकारों और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री सिलावट ने महाविद्यालय परिसर में ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के तहत पौधरोपण भी किया। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है और इसे जन आंदोलन का रूप दिया जाना चाहिए।

महाविद्यालय भ्रमण के दौरान उन्होंने अपने छात्र जीवन से जुड़े कई संस्मरण साझा किए और शिक्षकों व विद्यार्थियों के साथ आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर रायकवार सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय प्रवास के बाद मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं साझा करते हुए लिखा कि अपनी छात्र जीवन की स्मृतियों से जुड़ी पावन शिक्षास्थली में पहुंचकर मन भावुक हो उठा। उन्होंने कहा कि इस परिसर की धरती को नमन कर उन्हें उन गुरुओं, संस्कारों और स्मृतियों का स्मरण हुआ, जिन्होंने उनके जीवन को दिशा और दृष्टि प्रदान की।

हर पुलिसकर्मी बनेगा साइबर सुरक्षा का प्रहरी, इंदौर पुलिस ने ली डिजिटल सुरक्षा की शपथ

इंदौर। साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस के सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा साइबर जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को शहर के सभी पुलिस थानों, पुलिस लाइन और अन्य पुलिस इकाइयों में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों ने साइबर सुरक्षा की शपथ लेकर डिजिटल सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में आयोजित इस अभियान के दौरान सभी पुलिसकर्मियों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं साइबर अपराधों के प्रति हमेशा सतर्क और जागरूक रहेंगे। साथ ही ऑनलाइन एवं डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करेंगे तथा अपनी व्यक्तिगत और गोपनीय जानकारी किसी भी अनजान या अनधिकृत व्यक्ति के साथ साझा नहीं करेंगे। शपथ ग्रहण के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने यह भी संकल्प लिया कि वे अपने परिवार, मित्रों, पड़ोसियों और समाज के अन्य लोगों को साइबर अपराधों के प्रति लगातार जागरूक करेंगे। डिजिटल अरेस्ट, फर्जी लिंक, ओटीपी फ्रॉड, क्यूआर कोड स्कैम, सोशल मीडिया धोखाधड़ी सहित विभिन्न प्रकार की ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपायों की जानकारी लोगों तक पहुंचाने और किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित करने का भी संकल्प लिया गया। इंदौर पुलिस का कहना है कि साइबर अपराधों से बचाव केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सतर्कता और जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है।

मैं इस महाविद्यालय के आंगन की तुलसी हूं, विद्यार्थियों से बोले कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री एक्सीलेंस श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में बुधवार को नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट तथा विशेष अतिथि विधायक गोलू शुक्ला रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर ने की।

महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण के बाद विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि शिक्षक और युवाशक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। विकसित भारत के निर्माण और देश को विश्वगुरु बनाने के सपने को साकार करने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे ही देश का भविष्य हैं और आने वाले समय में विश्व पटल पर भारत का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी उनके कंधों पर होगी।

अपने छात्र जीवन को याद करते हुए श्री सिलावट ने कहा कि वे भी इसी महाविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं और राष्ट्रसेवा का संकल्प उन्होंने इसी परिसर में शिक्षा ग्रहण करते समय लिया था। उन्होंने भावुक अंदाज में कहा, मैं इस महाविद्यालय के आंगन की ही तुलसी हूं। वर्षों बाद यहां आकर मुझे गर्व और आत्मीयता का अनुभव हो रहा है।÷

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर ने विद्यार्थियों को महाविद्यालयीन शिक्षा के महत्व पर विशेष व्याख्यान देते हुए उन्हें अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और व्यक्तित्व विकास के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

दीक्षारंभ कार्यक्रम के साथ महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया, जिसमें अतिथियों, प्राध्यापकों और कर्मचारियों ने सहभागिता निभाई।

बारिश से पहले जल संरक्षण की तैयारी तेज, आयुक्त ने रेन वॉटर हार्वेस्टिंग कार्यों का किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में वर्षा जल के अधिकतम संचयन और भूजल स्तर बढ़ाने के उद्देश्य से नगर निगम ने रेन वॉटर हार्वेस्टिंग कार्यों में तेजी ला दी है। बुधवार को नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर जल संरक्षण से जुड़े कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को वर्षा जल के प्रभावी संचयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आयुक्त श्री सिंघल ने श्याम नगर एनएक्स-ए, अरविंदो हॉस्पिटल परिसर, रेवती रेंज, बरदारी और कुमड़ी काकड़ क्षेत्र में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तथा अनुपयोगी बोरवेल के माध्यम से किए जा रहे भूजल पुनर्भरण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर में स्थापित सभी रेन वॉटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि वर्षा ऋतु के दौरान अधिकतम मात्रा में वर्षा जल का संचयन कर उसे भूगर्भ में पहुंचाया जा सके।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने अधिकारियों को नई तकनीकों के उपयोग पर जोर देते हुए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम में पानी आने वाली चैनलों की नियमित निगरानी, समय-समय पर साफ-सफाई और उचित रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि जल निकासी तंत्र और संरचनाओं का नियमित तकनीकी परीक्षण होता रहेगा तो वर्षा के दौरान किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी और अधिक से अधिक पानी का भूजल पुनर्भरण संभव हो सकेगा।

नगर निगम ने किया शहर के प्रतिष्ठित डॉक्टर एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट का सम्मान

शहर की वास्तविक गरिमा उसकी स्वच्छता, संस्कृति और नागरिकों की सहभागिता से है– सीए देसाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में डॉक्टर्स डे एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे के अवसर पर इंदौर नगर निगम द्वारा नगर निगम मुख्यालय स्थित अटल सभागार में एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट श्री यगनेश देसाई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने की। इस अवसर पर शहर के प्रतिष्ठित डॉक्टरों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को समाज और राष्ट्र के प्रति उनके उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी योगदान के लिए मोमेंटो एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य श्री नंदकिशोर पहाड़िया, श्री निरंजन सिंह चौहान, श्री राजेश उदावत सहित नगर निगम के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में चिकित्सक तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स उपस्थित रहे।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने सभी डॉक्टरों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज एक ऐसा विशेष संयोग है जब नेशनल डॉक्टर्स डे और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे दोनों एक ही दिन मनाए जाते हैं। डॉक्टर जहां देश के नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं, वहीं चार्टर्ड अकाउंटेंट देश की आर्थिक व्यवस्था और वित्तीय अनुशासन को मजबूत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दोनों ही समाज के लिए समान रूप से आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक और शारीरिक दोनों व्यवस्थाएं स्वस्थ रहें, यही सभी की कामना है।

महापौर श्री भार्गव ने कहा कि नगर निगम द्वारा इस सम्मान समारोह की शुरुआत चार वर्ष पूर्व एक विशेष उद्देश्य के साथ की गई थी। पहला उद्देश्य उन डॉक्टरों और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को सार्वजनिक सम्मान देना था, जिनके कार्यों को अक्सर पर्याप्त पहचान नहीं मिल पाती, जबकि उनका योगदान समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। दूसरा उद्देश्य शहर के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित प्रोफेशनल्स को इंदौर के विकास कार्यों, भविष्य की योजनाओं और नगर निगम की उपलब्धियों से अवगत कराना है, ताकि वे भी शहर के विकास में सहभागी बन सकें।

उन्होंने कहा कि इंदौर आज केवल देश का सबसे स्वच्छ शहर ही नहीं है, बल्कि स्वच्छता, नवाचार, स्वाद, संस्कृति और सतत शहरी विकास के क्षेत्र में भी पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन चुका है। नगर निगम लगातार ऐसे नवाचार कर रहा है, जिनसे इंदौर राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान स्थापित कर रहा है।

महापौर श्री भार्गव ने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत-2047 के संकल्प को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने भी इंदौर-2047 विजन तैयार किया है। इसी क्रम में मां नर्मदा के चौथे चरण की परियोजना पर कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। इसके पूर्ण होने पर वर्ष 2029 तक इंदौर को वर्तमान की तुलना में लगभग दोगुना नर्मदा जल उपलब्ध होगा, जिससे शहर की भविष्य की जल आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित होगी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में इंदौर के इतिहास में पहली बार शहर की लगभग प्रत्येक दिशा में बड़े पैमाने पर पुल, फ्लाईओवर एवं ब्रिज निर्माण कार्य एक साथ चल रहे हैं। इन निर्माण कार्यों के कारण नागरिकों को अस्थायी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, जिसके लिए वे स्वयं कई बार खेद व्यक्त कर चुके हैं। उन्होंने इसे डॉक्टरों की भाषा में ÷प्रसव पीड़ा÷ की संज्ञा देते हुए कहा कि यह अल्पकालिक असुविधा भविष्य के आधुनिक और सुगम इंदौर के निर्माण के लिए आवश्यक है।

सीए श्री यगनेश देसाई ने अपने संबोधन में कहा कि महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव के नेतृत्व में इंदौर ने देशभर में अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। लगातार देश का सबसे स्वच्छ शहर बनने के साथ-साथ इंदौर हरित विकास और ब्लू सिटी की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड जारी करने वाला इंदौर देश का पहला शहर बना और आज दुनिया के अनेक देशों से प्रतिनिधिमंडल यहां आकर नगर निगम के कार्यों का अध्ययन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि किसी भी शहर की महानता केवल उसकी इमारतों और सड़कों से नहीं मापी जाती, बल्कि उसकी स्वच्छता, संस्कृति, नागरिक सहभागिता और प्रशासन की कार्यशैली से तय होती है। इंदौर ने यह सिद्ध किया है कि स्वच्छता केवल नगर निगम का दायित्व नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि वे स्वयं मुंबई से हैं, लेकिन स्वच्छता के मामले में मुंबई की तुलना इंदौर से नहीं की जा सकती।

सीए श्री देसाई ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य और आर्थिक स्वास्थ्य जितने महत्वपूर्ण हैं, उससे भी अधिक महत्वपूर्ण समाज और समुदाय का स्वास्थ्य है। नगर निगम ने पूरे समुदाय की सेवा कर एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि सफलता के तीन प्रमुख आधार योग्यता, साहस और चरित्र हैं, जबकि ज्ञान, ईमानदारी, करुणा और उत्तरदायित्व किसी भी महान संस्था और व्यक्ति की वास्तविक पहचान होते हैं।

उन्होंने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट की डिग्री केवल एक पेशेवर योग्यता नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का संकल्प है। जिस प्रकार डॉक्टर मानव सेवा की शपथ लेते हैं, उसी प्रकार चार्टर्ड अकाउंटेंट भी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान शहर के प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं डॉक्टरों को उनके सामाजिक, व्यावसायिक एवं जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मोमेंटो एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

सम्मानित चार्टर्ड अकाउंटेंट्स- सीए सुरेश किमटी, सीए घनश्याम जे. शाह, सीए सीताराम सोनी, सीए राजेश जैन डूंगरवाल, सीए सुनील खण्डेलवाल, सीए सुनील बेताला, सीए आनंद सकलेचा, सीए विकास जैन, सीए संतोष शर्मा, सीए हितेश चिमनानी, सीए नवीन खण्डेलवाल, सीए नितिन झिरीवाल, सीए तन्मय राजुरकर, सीए पूजा शर्मा, सीए प्रमोद तापड़िया, सीए समर गोयल, सीए निधि बैंग, सीए श्याम गुप्ता, सीए निरेश माहेश्वरी एवं सीए पुनित गर्ग।

सम्मानित चिकित्सक - डॉ. गिरिश कवठेकर, डॉ. राजकुमार अग्रवाल, डॉ. विद्या पंचोलिया, डॉ. संजय अग्रवाल, डॉ. प्रमोद कुमार जैन, डॉ. अनिल बाफना, डॉ. जितेन्द्र गुप्ता, डॉ. अनिल गर्ग, डॉ. एम.एस. होरा, डॉ. प्रमोद झंवर, डॉ. मनिष श्रॉफ, डॉ. सुमित्रा यादव, डॉ. शक्ति सिंह मौर्य, डॉ. मिलिन्द बाल्दी, डॉ. अंकित माथुर, डॉ. आर.सी. शर्मा, डॉ. अरविंद रावल, डॉ. महक भंडारी एवं डॉ. अनिरुद्ध सिरोठिया।

थाना कोतवाली पुलिस द्वारा रवि माली हत्याकांड के मुख्य आरोपी सहित 4 आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंदसौर तेरसिंह बघेल व नगर पुलिस अधीक्षक मंदसौर जितेन्द्र सिंह भास्कर के निर्देशन में तथा थाना प्रभारी कोतवाली पुष्पेंद्र सिह राठौर के नेतृत्व में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा जग्गाखेडी रोड पर हुई रवि माली नाम के युवक की हत्या के एक आरोपियो को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

घटना के विवरण में दिनांक 27-06-26 को थाना कोतवाली पुलिस को डायल 112 पर प्राप्त ईवेंट के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई की एक व्यक्ति जग्गाखेडी अभिनंदन कच्ची सडक रोड पर लहुलुहान पडा है। उक्त सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुची थी जहां घायल को तत्काल उपचार की नियत से जिला चिकित्सालय भिजवाया गया था। जहां चिकित्सक द्वारा व्यक्ति को मृत घोषित किया था। मृत व्यक्ति की पहचान रवि माली पिता किशन माली निवासी कर्मचारी कोलोनी मंदसौर के रुप मे हुई। घटना में फरियादी सुमित पिता किशन माली निवासी कर्मचारी कोलोनी मंदसौर की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली पर अपराध का संदेही यश उर्फ य़शवंत माली, आकाश वर्मा, विकास वर्मा, राज वर्मा एवं अन्य के विरुद्ध पंजीबद्ध किया जाकर अनुसंधान मे लिया गया था। प्रकरण मे अनुसंधान के दौरान प्राप्त मुखबीर सूचना के आधार पर प्रारंभिक तौर पर 06 आरोपी के घटना मे शामिल होने की जानकारी ज्ञात हुई, जिसमे 04 आरोपी आकाश वर्मा, अजय वर्मा, आशीष वर्मा एवं 01 नाबालिक ज्ञात हुये। जिस पर पुलिस के द्वारा लगातार आरोपियो की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे थे एवं लगातार पुलिस के द्वारा आरोपियो के मिलने के संभावित स्थानो पर मंदसौर शहर एवं जिले के आस पास के क्षेत्र तथा जिला रतलाम, इंदौर, प्रतापगढ, नीमच क्षेत्र मे दबिश दी जा रही थी,

जिसमें पुलिस को प्रकरण के 01 नाबालिग आरोपी को इंदौर से पकडने मे सफलता मिली है। पश्चात लगातार मुखबीर तंत्र सक्रिय कर प्रकरण के शेष आरोपियो के गिरफ्तारी के प्रयास भी थाना कोतवाली पुलिस दवारा किये जा रहे थे। जिसका परिणाम यह हुआ कि थाना कोतवाली पुलिस प्रकरण के मुख्य आरोपी अजय वर्मा, आशीष वर्मा एवं संदीप उर्फ दिलीप उर्फ काला वर्मा सभी जाति बरगुंडा को मुखबीर सूचना के आधार पर गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई। प्रारंभिक पूछताछ मे आरोपियो के द्वारा बताया गया की आरोपियो के भाई अरुण वर्मा की हत्या करीब ढाई माह पूर्व युवराज माली व उसके साथी के दवारा की गई थी। जिसकी रंजिश पर आरोपीयान द्वारा उनके भाई के हत्यारे युवराज माली के पिता रवि माली की हत्या की। प्रकरण में गिरफ्तारशुदा आरोपी को आज न्यायालय पेश किया जाकर उनका पुलिस रिमांड प्राप्त किया जाकर अन्य अनुसंधान संबधित कार्यवाही की जावेगी। प्रकरण में शेष आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास लगातार जारी है। प्रकरण में ओर भी आरोपियों के बढने की संभावना है। उक्त कार्यवाही में पुष्पेन्द्र सिह राठौर थाना प्रभारी थाना कोतवाली, उनि संदीप मौर्य, प्रआर विनोद नामदेव, प्रआर आशीष बैरागी (सायबर सेल), प्रआर मुजफ्फरउद्दीन (सायबर सेल), प्रआर रमीज राजा, प्रआर अर्जुन सिह, आर हरीश राठौर, आर भानुप्रताप सिंह, आर नरेन्द्र सिंह, आर शेलेन्द्र सिंह, आर जितेन्द्र मालोदे, आर अरुण पंवार, आर वसीम खान, आर अमित पांचाल, आर भारत बैरागी, आर मनीष धौलपुरिया, आर आशुतोष गिरी का सराहनीय योगदान रहा।

भाजपा के राज में सड़क-पुलिया निर्माण में जमकर भ्रष्टाचार, फोरलेन और सिटी पुलिया इसके जीते-जागते उदाहरण -इंजी. नवीन कुमार अग्रवाल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एक ओर जहां भाजपा के नेता सुशासन के मंचों से अपने विकास के कसीदे पढ़ते नहीं थकते और भ्रष्टाचार मुक्त भारत का खोखला दावा करते हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हीं के राज में निर्माण कार्यों में जमकर कमीशनखोरी हो रही है। अधिकारी और नेता मिलकर जनता की गाढ़ी कमाई के टैक्स को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा रहे हैं। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण भाटखेड़ा से डूंगलावदा फंटे तक निर्माणाधीन फोरलेन सड़क और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के दावों की पोल खोलती नीमच सिटी पुलिया है। तानाशाही के इस दौर में आम जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है, क्योंकि नीमच से लेकर राष्ट्पति भवन तक उनकी सुनने वाला कोई नहीं है।

यह बात आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष इंजीनियर नवीन कुमार अग्रवाल ने जारी एक प्रेस नोट में कही।

पुलिया की दरारों को छुपाने के लिए डामर का खेल

इंजि. नवीन कुमार अग्रवाल ने बताया कि - हमने पहले भी कई बार नीमच फोरलेन सड़क में इस्तेमाल हो रही घटिया सामग्री और मानकों के उल्लंघन की शिकायतें की थीं, लेकिन भारी कमीशनखोरी के चलते भाजपा सरकार में कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई और घटिया निर्माण बदस्तूर जारी रहा।

उन्होंने आगे कहा कि स्थानीय भाजपा जनप्रतिनिधियों ने बड़े-बड़े दावे किए थे कि नीमच सिटी पुलिया बनने से जनता का मार्ग सुगम होगा। लेकिन आज जब मौके पर जाकर जमीनी हकीकत देखी गई, तो सच सामने आ गया। पुलिया पर अभी से जगह-जगह से सीमेंट-कंक्रीट उखड़ चुका है। भ्रष्टाचार और दरारों को छुपाने के लिए उस पर डामर का प्रयोग किया जा रहा है। यह साफ तौर पर प्रमाणित करता है कि पुलिया का निर्माण राजनीतिक संरक्षण में सिर्फ कमीशन को ध्यान में रखकर किया गया है, गुणवत्ता को पूरी तरह ताक पर रख दिया गया। अब यह तो भाजपा ही बता सकती है कि यह पुलिया कब तक टिक पाएगी।

जनता के सामने यक्ष प्रश्न- आप नेता ने सीधे जनता से भी सवाल करते हुए कहा कि क्या नीमच की जनता इस घटिया निर्माण के लिए अपने जनप्रतिनिधियों की आंखों में आंखें डालकर सवाल पूछने की हिम्मत जुटा पाएगी? या फिर सिर्फ धर्म की आड़ में देश की चुप बैठी जनता की तरह ही, राम मंदिर में चंदा चोरी होने पर भी मुंह बंद रखकर इन भ्रष्टाचारियों का समर्थन करती रहेगी? आज यह एक बड़ा यक्ष प्रश्न जनता के सामने खड़ा है।

कार्रवाई की मांग- आम आदमी पार्टी ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच के लिए संबंधित उच्च अधिकारियों को पत्र प्रेषित किया है और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

नगर पालिका की बैठक में 44 प्रस्तावों पर लगी मुहर , नपाध्यक्ष की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच नगर पालिका की सामान्य सभा की बैठक नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी ,CMO दुर्गा बामनिया , वंदना खंडेलवाल , पार्षद इकबाल कुरैशी, पार्षद प्रतिनिधि शराफत हुसैन , पार्षद अरुण प्रजापति ,नेता प्रतिपक्ष योगेश प्रजापति सहित परिषद के कई पार्षद उपस्थित रहे। विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा के बाद 44 प्रस्ताव बहुमत से पारित किए गए। बैठक में इंदिरा चौक विकास कार्य के द्वितीय चरण को करीब 2.5 करोड़ रुपये की लागत से पूरा कराने की स्वीकृति दी गई।

नगर पालिका में कर्मचारियों की कमी को देखते हुए आउटसोर्स के माध्यम से कर्मचारियों की भर्ती के प्रस्ताव को मंजूरी मिली। इसके अलावा नई सड़कों के निर्माण, विभिन्न समाजों की मांग पर सड़कों, चौराहों और भवनों के नामकरण, जनभागीदारी से विकास कार्य कराने, शहर की मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने तथा अन्य जनहित के प्रस्ताव भी पारित किए गए। बैठक में पेयजल व्यवस्था और फिल्टर मीडिया प्लांट की स्थिति पर भी चर्चा हुई।

अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा ने बताया कि फिल्टर मीडिया प्लांट की तकनीकी खामियों को दूर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है तथा लापरवाही बरतने वाले ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि परिषद का उद्देश्य शहर के अधूरे विकास कार्यों को जल्द पूरा कर नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

मंदसौर पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त में 116 वारंटी को किया गिरफ्तार

अवैध शराब और नकदी जब्त; 450 से अधिक पुलिसकर्मियों ने रातभर चलाया अभियान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण के लिए मंदसौर पुलिस ने जिलेभर में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देशन में दिनांक 30.06.2026 और 01.07.2026 की दरमियानी रात 450 से अधिक पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से पूरे जिले में कॉम्बिंग गश्त चलाई। इस दौरान हत्या के आरोपियों, वारंटियों और नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। जिले में रातभर चली इस सर्जिकल स्ट्राइक में कुल 116 वारंटियों को दबोचा गया। इनमें 69 स्थायी वारंटी (धारा 138 के 18, विद्युत अधिनियम के 32 व अन्य 19) और 36 गिरफ्तारी वारंटी शामिल हैं। अभियान के दौरान पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए जिले के 65 निगरानी बदमाशों, 70 गुंडा-तत्वों सहित कुल 135 हिस्ट्रीशीटरों और जिलाबदर अपराधियों की सघन चेकिंग की।

आबकारी एक्ट के तहत कुल मामलों में कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध शराब (कीमत करीब 31,140) जब्त की गई। वहीं, जुआ-सट्टा के 10 मामलों में 15 आरोपियों को गिरफ्तार कर 17,150 नगद बरामद किए गए। इसके अलावा धारा 151 के तहत 18 आरोपियों पर कार्रवाई की गई और एमवी एक्ट में 5,000 का शमन शुल्क वसूला गया।यह पूरी कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टी.एस. बघेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (गरोठ अनुभाग) रामसनेह मिश्रा के मार्गदर्शन में सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना/चौकी प्रभारियों द्वारा मुस्तैदी से पूरी की गई। पुलिस अधीक्षक ने साफ किया है कि जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आपराधिक तत्वों के खिलाफ इस तरह की कठोरतम कार्रवाई भविष्य में भी लगातार जारी रहेगी।

अधिक से अधिक वर्षाजल को सहेजे-जगदीश परमार

जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन पर मनाया बावडी उत्सव, रंगोली, दीपोत्सव के साथ की गंगा आरती

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर बावडी उत्सव का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत कयामपुर में प्रसिद्ध सगस बावजी की बावड़ी एवं हजारी बाग की बावड़ी पर रंगोली बनाकर दीप प्राज्जवलित कर गंगा आरती की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं पूर्व सरपंच जगदीश परमार ने कहा कि जल गंगा सवर्धन अभियान के तहत जन अभियान परिषद जन-जन को जोडने का काम कर रहा है। धरती से निरंतर जल का हम दोहन कर रहे हैं, लेकिन इसको रिचार्ज करने में अभी तक आम जन जागरूक नहीं हुआ है। जिससे जल संकट की स्थिति भी हमें देखने को मिल सकती है। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद ने प्राकृतिक धरोहर को सहझने के लिए बावड़ियों पर उत्सव के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। निश्चित ही आमजन प्राकृतिक धरोहर से जुड़कर कार्य करेगा। प्रकृति से जोड़ने का काम भी हमारे पूर्वजों ने किया है। जल को बनाया नहीं जा सकता है, जल को बचाया जा सकता है। हम सभी को अधिक से अधिक वर्षा के जल को सहेजने का काम करना चाहिए।

विकासखंड समन्वयक नारायणसिंह निनामा ने कहा कि तीन चरणों में मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद द्वारा जल गंगा सवर्धन अभियान का आयोजन किया गया है। इन तीन चरणों में कलश यात्रा, सामूहिक श्रमदान, पेड़ों की पूजन, अभिषेक सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए परामर्शदाता हरिओम गंधर्व ने कहा कि मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सामुदायिक सहभागिता के साथ निरंतर कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। जिसका समापन आज कयामपुर की प्रसिद्ध बावड़ी सकल बावजी की बावड़ी पर समापन हो रहा है। आज आयोजित कार्यक्रम में श्रमदान, रंगोली,दीपदान,भजन कीर्तन सहित कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। जिसमें आम जन ने उत्साह से सहभागिता की है। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन करते हुए दिलीप जैन ने कहा कि पूर्वजों द्वारा हमारी प्रसिद्ध प्राचीन धरोहर को संयोजन हम सब की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारी, नवाकुर संस्थाओं के कार्यकर्ता, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों, परामर्शदाता एवं सामाजिक कार्यकर्ता विशेष रूप से उपस्थित थे।

उज्जैन संभागायुक्त आशीष सिंह ने हॉस्पिटल, अतिक्रमण, मॉडल पंचायत, सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन संभागायुक्त आशीष सिंह ने बुधवार को सिविल हॉस्पिटल शामगढ़ तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर कुरावन, धामनिया दीवान में राहगीर अभियान के अंतर्गत हटाए गए अतिक्रमण, ग्राम देवरी में नव निर्मित मॉडल पंचायत, गुर्जर बर्डिया में सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण किया।

संभागायुक्त आशीष सिंह ने सिविल हॉस्पिटल शामगढ़ में निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मातृ स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण पुनर्वास केंद्र की व्यवस्थाओं, क्षय रोग आदि के बारे में जानकारी ली एवं डॉक्टर से चर्चा की। एनआरसी में बच्चों की माता से चर्चा की एवं उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उपलब्धता, रिकॉर्ड संधारण एवं मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीबी मरीजों को फूड बास्केट वितरित किए। ग्राम धामनिया दीवान में राहगीर अभियान के अंतर्गत खेतों तक जाने वाले रास्तों से अतिक्रमण हटाए गए कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि जो रास्ते रिकॉर्ड में दर्ज नहीं है, उन्हें रिकॉर्ड में दर्ज करने की कार्रवाई करें। साथ ही उन्होंने किसानों से संवाद किया। इस रास्ते को किसानों के द्वारा जन संयोग से राशि एकत्रित कर कर खेतों तक जाने वाले रास्तों को सरल और सुगम बनाया गया है। जिससे कि किसानों को खेतों तक पहुंचने में आसानी हो रही हैं। उज्जैन संभागायुक्त आशीष सिंह ने ग्राम पंचायत देवरी में नव निर्मित मॉडल पंचायत भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन के हाल, किचन एवं वेटिंग रूम का अवलोकन किया। साथ ही भवन में स्थापित रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम एवं रिचार्ज पीट की भी जानकारी ली। संभागायुक्त श्री सिंह ने बुधवार को गुर्जर बर्डिया में सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होनें प्रयोगशाला भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान, कला एवं शिल्प कक्ष, भोजन शाला, ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कक्ष का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने शिक्षक एवं विद्यार्थियों से जानकारी ली। एक पेड मां के नाम अभियान के अंतर्गत आज विद्यालय में पौधारोपण भी किया। सांदीपनि विद्यालय गुर्जर बर्डिया में गनेड़ीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आज 1266 विद्यार्थियों को चरण पादुका वितरित किये। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, जिला शिक्षा अधिकारी, श्री विक्रम, श्री अविनाश, एसडीएम, शिक्षक एवं विद्यार्थि मौजूद थे।

जुलाई को जिले में होगा 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण)' का शुभारंभ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन और आजीविका सशक्तिकरण को नई गति देने की दिशा में भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किए जा रहे 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण)' के शुभारंभ अवसर पर 2 जुलाई 2026 को जिले के तीनों जनपद पंचायतों में जन सम्मेलन सह लॉन्च कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जनपद पंचायत नीमच में कार्यक्रम ग्राम पंचायत भरभड़िया, जावद में ग्राम पंचायत सुवाखेड़ा तथा मनासा में जनपद सभा कक्ष में आयोजित होगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, पंचायत राज संस्थाओं के पदाधिकारी, जॉब कार्डधारी श्रमिक, स्व-सहायता समूहों के सदस्य एवं ग्रामीणजन सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम के दौरान आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय शुभारंभ समारोह का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा, जिसे उपस्थित जनप्रतिनिधि, पंचायत राज पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन सामूहिक रूप से देखेंगे। साथ ही योजना से संबंधित नवीन प्रावधानों, उद्देश्यों एवं प्रमुख विशेषताओं की जानकारी पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से प्रदर्शित कर ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं समन्वय के लिए संबंधित जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर ग्रामीण रोजगार से जुड़े एक महत्वपूर्ण प्रावधान के तहत 1 जुलाई 2026 से मनरेगा के अंतर्गत श्रमिकों की मजदूरी दर 261 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये प्रतिदिन कर दी गई है। इससे ग्रामीण श्रमिकों की आय में वृद्धि होगी तथा उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी। यह मिशन विकसित भारत के संकल्प को ग्राम स्तर तक सशक्त रूप से पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को रोजगार, आजीविका के अवसरों तथा सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। प्रधानमंत्री की विकसित भारत की परिकल्पना के अनुरूप यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने, आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण तथा गरीब एवं वंचित वर्गों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इसके माध्यम से रोजगार, आजीविका और ग्रामीण विकास से जुड़ी विभिन्न पहलें अधिक प्रभावी ढंग से धरातल पर क्रियान्वित करने का प्रयास किया जाएगा।

कलेक्टोरेट में सामुहिक राष्ट्रगॉन एवं वन्दे मातरम का गायन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कार्यालय नीमच में बुधवार को सामुहिक राष्ट्रगॉन एवं वंदेमातरम का गायन किया गया। राष्ट्गॉन, म.प्र.गान एवं वन्देमातरम का गायन कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की उपस्थिति में हुआ। इस मौके पर कलेक्टोरेट परिसर स्थित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सामुहिक रूप से राष्ट्रगॉन, वंदे मातरम एवं म.प्र.गॉन का गायन किया। तदपश्चात जुलाई माह में शासकीय कार्यो की शुरूआत की गई। इस अवसर पर एडीएम श्री बी.एस.कलेश, डिप्टी कलेक्टर चंद्रसिह धार्वे, सहित कलेक्टोरेट, राजस्व, भू-अभिलेख, सहकारिता विभाग, शिक्षा, कोषालय, जनसंपर्क कार्यालय, शहरी विभाग, अभिकरण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

थाना गरोठ पुलिस ने पिकअप डाले में स्कीम बनाकर डोडाचूरा तस्करी करने वाले अन्तर्राजीय तस्कर को गिरफ्तार किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले वालो के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने हेतु जिले के सभी थाना प्रभारियों को आदेशित किया गया, जिसके पालन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोठ राम सनेही मिश्रा, स्ष्ठहक्क गरोठ विजय कुमार यादव, प्रभारी महोदय सीतामऊ दिनेश प्रजापति के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी गरोठ उनि बलवीरसिंह यादव के निर्देशन मे दिये गये दिशा निर्देशों का पालन करते हुए सउनि बालमुकुन्द परमार व उनकी टीम द्वारा 64.930 किलो अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा को जप्त कर 01 आरोपी को गिरफ्तार किया गया। घटना के विवरण में दिनांक 30.06.2026 को मुखबीर सूचना प्राप्त हुई की एक सफेद रंग की पिकअप का चालक डाले में प्लास्टिक की खाली केरेट रखकर केरेटों के नीचे पीकप के बेस में स्कीम बनाकर अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा लेकर मेलखेडा की तरफ से बर्डिया अमरा होते हुए 8 लेन की तरफ जाने वाला, यदि शीघ्र नाकाबंदी की जावे तो उक्त व्यक्ति को अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा की पिकअप सहीत पकडा जा सकता है। मुखबीर सूचना पर कार्यवाही करते हुए खजुरीरुण्डा फंटा मेलखेडा गरोठ रोड बर्डिया अमरा पर नाकाबंदी कर पिकअप के डाले में खाली प्लास्टिक की केरेटों के नीचे डाले के बेस में स्कीम बनाकर रखा गया 64.930 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ किमती 1 लाख 30 हजार तथा अवैध मादक पदार्थ के परिवहन मे उपयोग मे लाई जा रही महिन्द्रा पिकअप क्रमांक के आरोपी बलदेव सिंह पिता भजन सिंह उम्र 36 साल निवासी दिवाना जिला फतेहाबाद हरियाणा के कब्जे से जप्त कर आरोपी बलदेव सिंह को गिरफ्तार किया गया। वापसी पर आरोपी के विरूद्ध अपराध धारा 8,15 एनडीपएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण में अग्रीम अनुसंधान जारी है। प्लास्टिक की खाली केरेट 44 किमती 4 हजार 500 रूपये किया गया।

अफीम की तस्करी करने वाले दो तस्कर को 10 वर्ष सश्रम कारावास

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश महोदय, (एन.डी.पी.एस. एक्ट) मंदसौर (श्रीमान मुनेन्द्र सिंह वर्मा) द्वारा आरोपीगण कमलेश पिता रामलाल परमार, उम्र 35 वर्ष एवं श्यामलाल पिता रतनलाल मोगिया, उम्र-41 वर्ष, दोनों निवासी ग्राम डोडिया मीणा, थाना वाय.डी. नगर अवैध मादक पदार्थ अफीम की तस्करी करने के अपराध में दोषी पाते हुए 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं एक-एक लाख रूपये जुर्माने से दण्डित किया।

अभियोजन मीडिया प्रभारी/सहायक जिला अभियोजन अधिकारी बलराम सोलंकी द्वारा घटना के संबंध में बताया कि दिनांक 03.01.2019 को थाना सुवासरा के सहायक उपनिरीक्षक अर्जुन सिंह परिहार को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई, सूचना पर कार्यवाही हेतु मय फोर्स के मुखबिर द्वारा बताए स्थान धामनिया फंटा पहुंचकर वाहन को आड़ में खड़ा कर नाकाबंदी की, जहां पर कुछ समय पश्चात मुखबिर द्वारा बताए हुलिए का व्यक्ति मोटरसाईकिल से आता दिखा जिसे घेराबंदी कर पकड़कर उसका नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम कमलेश पिता रामलाल होना बताया। संदेही की तलाशी लिए जाने पर उसकी पीठ पर टंगे बैग के अंदर एक सफेद पॉलिथीन की थैली में काला गाढा पदार्थ भरा होना पाया गया, जो अफीम जैसा प्रतीत हो रहा था देखने पर मादक पदार्थ को पुलिस ने अनुभव के आधार पर अफीम होना पाया गया उक्त मादक पदार्थ अफीम का पॉलिथीन सहित वजन 03 किलोग्राम होना पाया गया, जिसे मौके पर जप्त किया तथा आरोपी कमलेश को गिरफ्तार कर थाना वापसी पर अभियुक्त कमलेश के विरूद्ध एन.डी.पी.एस. एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस द्वारा आरोपी कमलेश से जप्तशुदा मादक पदार्थ अफीम के संबंध में पूछताछ किए जाने पर उसने उक्त मादक पदार्थ श्यामलाल द्वारा संजीत रोड पर बताए व्यक्ति को देना बताया एवं जप्तशुदा मोटरसाईकिल के स्वामी के संबंध में आरटीओ से जानकारी प्राप्त करने पर उक्त वाहन का रजिस्टर्ड स्वामी श्यामलाल होना पाया गया, जिसके आधार पर प्रकरण में श्यामलाल की भी अपराध में संलिप्तता होने से आरोपी बनाया गया। प्रकरण में आरोपीगण कमलेश व श्यामलाल के विरूद्ध संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र विशेष न्यायालय, एन.डी.पी.एस., मंदसौर के समक्ष प्रस्तुत किया। शासन की ओर से प्रकरण में न्यायालय के समक्ष संचालन सीएस ठाकुर, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी द्वारा किया गया।

सुलाबावजी के समीप! खेत में पेड़ से लटका मिला युवक का शव, पैर भी थे बंधे... हत्या की आशंका से मचा हड़कंप

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच-सिंगोली रोड स्थित सिंगोली थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सुलाबावजी मंदिर के समीप उस समय सनसनी फैल गई, जब मुख्य मार्ग से करीब 100 मीटर दूर एक खेत में पेड़ पर एक युवक का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, वहीं सिंगोली पुलिस भी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक के पैर भी रस्सी से बंधे हुए थे, जिससे मामला संदिग्ध नजर आ रहा है। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि प्रथम दृष्ट्या ऐसा प्रतीत होता है कि युवक की हत्या करने के बाद शव को पेड़ पर लटकाया गया हो। हालांकि, इस संबंध में पुलिस ने अभी किसी भी आशंका की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

जानकारी के अनुसार घटनास्थल के पास सड़क किनारे एक ट्रैक्टर भी खड़ा मिला है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मृतक संभवतः भूसा भरने का कार्य करने वाला ट्रैक्टर चालक था।

सूत्रों के अनुसार मृतक जीरन क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने मृतक की पहचान और नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं की थी। परिजन भी मौके पर पहुंच रहे हैं।

फिलहाल पुलिस ने घटनास्थल को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया जारी है।

सम्पादकीय

जहाँ नाक बंद होती है, वहीं स्वच्छ भारत के दावे खुल जाते हैं

स्वच्छता किसी राष्ट्र का श्रृंगार नहीं, उसका चरित्र है। किसी देश की असली पहचान संसद, मेट्रो या एक्सप्रेस-वे नहीं, बल्कि वह सार्वजनिक शौचालय है जहाँ सामान्य नागरिक बिना भय, घृणा या नाक सिकोड़े प्रवेश कर सके। पिछले एक दशक में स्वच्छ भारत मिशन जनांदोलन और विकास का प्रतीक बना, लेकिन बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, बाज़ारों, पार्कों और राजमार्गों के अधिकांश सरकारी शौचालय इस दावे की सबसे कड़वी सच्चाई हैं। वहाँ प्रवेश करते ही पहले नाक, फिर आँखें बंद करनी पड़ती हैं। यह केवल दुर्गंध नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की विफलता है जिसने शौचालय बनाना उपलब्धि माना, पर उन्हें स्वच्छ रखना जिम्मेदारी नहीं समझा। स्वच्छ भारत अभियान की असली परीक्षा सार्वजनिक शौचालयों में होती है, और सबसे बड़ी विफलता भी वहीं दिखाई देती है।

यह कहना अन्याय होगा कि स्वच्छ भारत मिशन ने कुछ नहीं किया। इसकी उपलब्धियाँ उल्लेखनीय हैं। 2014 में ग्रामीण भारत में शौचालय कवरेज लगभग 39 प्रतिशत था, जो अब सरकारी आंकड़ों के अनुसार 95 प्रतिशत से अधिक हो गया है। 12 करोड़ से अधिक घरेलू शौचालय बने, 6 लाख से अधिक गाँव और हजारों शहर ओडीएफ घोषित हुए। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, बेहतर स्वच्छता से डायरिया से होने वाली मौतें घटीं और लाखों परिवारों का स्वास्थ्य व्यय कम हुआ। यह निश्चित ही बड़ी उपलब्धि है। लेकिन क्या स्वच्छता घर की चौखट पर ही समाप्त हो जाती है? क्या घर से बाहर निकलते ही नागरिक की गरिमा अप्रासंगिक हो जाती है? घरों में शौचालय बनाकर आधी लड़ाई जीती गई, मगर सार्वजनिक शौचालयों की बदहाली ने इस सफलता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया।

यही वह विरोधाभास है जो स्वच्छ भारत मिशन की चमक फीकी कर देता है। जनाग्रह और अन्य संस्थाओं के सर्वे बताते हैं कि बड़े शहरों के अधिकांश सार्वजनिक शौचालय भी पानी, नियमित सफाई, पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। कई महीनों से बंद पड़े हैं, कई जर्जर हो चुके हैं और अनेक ठेकेदारों की लापरवाही व प्रशासनिक उदासीनता के कारण उपयोग योग्य नहीं बचे। रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और राष्ट्रीय राजमार्गों के शौचालय यात्रियों की मजबूरी हैं, सुविधा नहीं। यह संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि उस सरकारी सोच का परिणाम है जो शौचालय के उद्घाटन को उपलब्धि मानती है, रखरखाव को नहीं। शौचालय बनते हैं, फीते कटते हैं, तस्वीरें खिंचती हैं, रिपोर्टें बनती हैं और फिर वे धीरे-धीरे गंदगी के हवाले कर दिए जाते हैं।

सार्वजनिक शौचालयों की बदहाली की सबसे बड़ी कीमत महिलाएँ, बच्चे, बुजुर्ग और दिव्यांग चुकाते हैं। महिलाएँ प्यास से नहीं, उपयोग योग्य शौचालयों के अभाव में घंटों पानी पीने से बचती हैं। लंबी यात्राएँ उनके लिए सुविधा नहीं, चिंता बन जाती हैं। गंदे शौचालय डायरिया, टाइफाइड, हेपेटाइटिस-ए सहित अनेक संक्रामक रोगों के केंद्र हैं। विद्यालयों में शौचालयों की कमी और बदहाली के कारण कई लाख लड़कियाँ पढ़ाई बीच में छोड़ देती हैं। हालिया रिपोर्टों के अनुसार देश में लगभग 98,500 सरकारी स्कूलों में लड़कियों के लिए कार्यरत शौचालय नहीं हैं। यह केवल शिक्षा नहीं, महिला सम्मान और सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है। अधिकांश सार्वजनिक शौचालय आज भी दिव्यांगों के लिए अनुपयोगी हैं। यदि स्वच्छता ही गरिमा है, तो उनकी यह स्थिति हर दिन करोड़ों भारतीयों की गरिमा को ठेस पहुँचा रही है।

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत आस्पिरेशनल टॉयलेट योजना शुरू की गई है। करीब 29 हजार आधुनिक सार्वजनिक शौचालयों का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन कई स्थानों पर परियोजनाएँ अभी अधूरी हैं या रखरखाव की कमी के कारण जल्द खराब हो रही हैं। कहीं परियोजनाएँ अधूरी रहीं, तो बने शौचालय भी रखरखाव के अभाव में जल्द बदहाल हो गए। वजह वही पुरानी है–बजट निर्माण के लिए है, रखरखाव के लिए नहीं; जिम्मेदारी सबकी, जवाबदेही किसी की नहीं। नगर निगम ठेकेदार को, ठेकेदार विभाग को और विभाग बजट को दोष देता है। सार्वजनिक संपत्ति को यह मेरी नहीं मानने की मानसिकता भी गंदगी बढ़ाती है। नतीजा, सार्वजनिक शौचालय उपेक्षा के स्मारक बन जाते हैं।

फिर भी तस्वीर पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। 2022 के डब्ल्यूएचओ-यूनिसेफ आंकड़ों के अनुसार देश में अभी भी करीब 15.7 करोड़ लोग (लगभग 11त्न) खुले में शौच करते थे, जो बताता है कि यात्रियों और अस्थायी आबादी के लिए पर्याप्त सार्वजनिक शौचालय अब भी उपलब्ध नहीं हैं। दूसरी ओर, इंदौर, सूरत और कुछ अन्य शहरों ने साबित किया है कि इच्छाशक्ति, नियमित सफाई, चौबीसों घंटे पानी, तकनीकी निगरानी, सामुदायिक भागीदारी और जवाबदेह प्रबंधन से सार्वजनिक शौचालय स्वच्छ और सम्मानजनक बनाए जा सकते हैं। कई स्वयंसेवी संस्थाएँ और निजी कंपनियाँ भी पे एंड यूज़ मॉडल से इसका उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। संदेश स्पष्ट है–समस्या संसाधनों की नहीं, प्राथमिकताओं, प्रबंधन और जवाबदेही की है।

अब समय शौचालयों की संख्या नहीं, उनकी गुणवत्ता से सफलता मापने का है। हर सार्वजनिक शौचालय के लिए पृथक रखरखाव बजट, डिजिटल निगरानी, सीसीटीवी, सोलर पावर, वेस्ट रिसाइक्लिंग, चौबीसों घंटे पानी और नियमित सफाई अनिवार्य हों। महिलाओं, बच्चों और दिव्यांगों की जरूरतों के अनुरूप डिज़ाइन हर परियोजना का हिस्सा बने। ठेकेदारों की जवाबदेही तय हो तथा नियमित ऑडिट, दंड और समीक्षा व्यवस्था लागू हो। स्थानीय समुदाय को निगरानी में भागीदार बनाया जाए और स्वच्छता मेरी जिम्मेदारी को अभियान नहीं, नागरिक संस्कार बनाया जाए।

दिल्लीः वायु प्रदूषण के साथ ओजोन प्रदूषण की चुनौती

राजधानी दिल्ली वर्षों से वायु प्रदूषण की भयावह समस्या से जूझती रही है। हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यतः पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएँ तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है- भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है। कभी किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को। जबकि वास्तविकता कहीं अधिक व्यापक है। यदि समस्या की जड़ तक पहुँचना है तो अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, ऊर्जा उपभोग की वर्तमान व्यवस्था और विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा।

दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है। यह वही ओजोन नहीं है जो वायुमंडल की ऊपरी परत में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाती है। धरातल पर बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है, जो फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करती है, दमा के रोगियों की स्थिति बिगाड़ती है, आँखों में जलन पैदा करती है तथा हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाती है। आज दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनमें ओजोन प्रदूषण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की योजना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जैसे निर्णय निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आने वाले वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सार्थक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। लेकिन केवल वाहन नीति से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

वास्तविक संकट अनियोजित शहरीकरण का है। पिछले दो दशकों में दिल्ली और उससे लगे क्षेत्रों में जिस तेजी से खेत, तालाब और हरित क्षेत्र कंक्रीट के जंगलों में बदले हैं, उसने प्राकृतिक संतुलन को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ कभी वर्षा का पानी धरती में समा जाता था, वहाँ अब सीमेंट और डामर की सतह है। पारंपरिक जलस्रोत मिट गए, पेड़ों की संख्या घटी और गर्मी बढ़ती गई। यही कारण है कि शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहने लगा है। यही अतिरिक्त गर्मी ओजोन बनने की प्रक्रिया को और तेज करती है। आज महानगरों का विस्तार विकास का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह विकास प्रकृति की कीमत पर हो रहा है। शहरों को सड़कें चाहिए, बिजली चाहिए, आवास चाहिए, उद्योग चाहिए। इन सबके लिए खेत समाप्त हो रहे हैं, जंगल कट रहे हैं और जलस्रोत नष्ट हो रहे हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण केवल हवा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जल, मिट्टी और जैव विविधता भी प्रभावित हो रही है। विकास की यह दिशा अंततः मानव जीवन के विरुद्ध खड़ी दिखाई देती है। दिल्ली में निजी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता और गुणवत्ता अभी भी इतनी प्रभावी नहीं हो सकी कि लोग निजी वाहनों का त्याग करें। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना स्वागतयोग्य है, किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि बिजली यदि कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से आएगी तो प्रदूषण केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होगा। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और हरित परिवहन को समानांतर गति से बढ़ाना आवश्यक है।

ओजोन प्रदूषण केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह कृषि उत्पादन को भी प्रभावित करता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि ओजोन फसलों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित कर उत्पादन घटा देती है। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून और बढ़ती गर्मी पहले ही किसानों के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं, ओजोन प्रदूषण कृषि संकट को और गहरा कर सकता है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक शहरों में वायु गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, किंतु अब समय आ गया है कि इसकी रणनीति का विस्तार किया जाए। केवल पार्टिकुलेट मैटर पर ध्यान देने के बजाय ओजोन जैसे द्वितीयक प्रदूषकों की निगरानी, वैज्ञानिक अध्ययन और नियंत्रण पर भी समान बल देना होगा। वायु गुणवत्ता निगरानी तंत्र को अधिक व्यापक, आधुनिक और पारदर्शी बनाना होगा। समस्या के समाधान में नागरिकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कचरा जलाना, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, खुले में ईंधन जलाना, प्लास्टिक और औद्योगिक कचरे का अनुचित निस्तारण जैसी आदतों में परिवर्तन लाना होगा। अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, साइकिल और पैदल चलने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। शहरों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, हरित पट्टियों का विकास और पारंपरिक जलस्रोतों का पुनर्जीवन भी प्रदूषण नियंत्रण की प्रभावी रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। वायु प्रदूषण केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक संकट भी है। बढ़ती बीमारियाँ स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोझ डालती हैं, कार्यक्षमता घटाती हैं और करोड़ों रुपये की आर्थिक हानि का कारण बनती हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि प्रदूषण बच्चों और युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसका कहीं अधिक गंभीर मूल्य चुकाना पड़ेगा।

दिल्ली सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम स्वागतयोग्य हैं और उनसे सकारात्मक परिणामों की आशा की जा सकती है, किंतु यह तभी संभव होगा जब केंद्र, राज्य, स्थानीय निकाय, उद्योग, वैज्ञानिक समुदाय और नागरिक समाज मिलकर समन्वित प्रयास करें। प्रदूषण किसी एक सरकार, एक मौसम या एक कारण की समस्या नहीं है। यह हमारे विकास मॉडल, जीवनशैली और पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण का परिणाम है। आज आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीति और सामूहिक उत्तरदायित्व की है। यदि हम स्वच्छ हवा चाहते हैं तो केवल प्रदूषण कम करने की योजनाएँ नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित विकास की नई संस्कृति विकसित करनी होगी। अन्यथा ओजोन जैसी अदृश्य गैसें हमारे शहरों को धीरे-धीरे बीमार करती रहेंगी और विकास का यह मॉडल स्वयं मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा संकट बन जाएगा।

खुद फैसला लेने वाले वित्तीय ऋणदाताओं को फायदा, परिचालन ऋणदाता बेआवाज

दिवालिया कानून सुधार समिति यानी बीएलआरसी, विधायिका और न्यायपालिका ने लगातार एक ही प्रस्थापना को मजबूत किया है और वह यह कि भारतीय दिवाला और ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी), 2016 के तहत कॉरपोरेट दिवालिया निस्तारण प्रक्रिया (सीआईआरपी) वित्तीय ऋणदाताओं से संबं?धित है। उनकी व्यावसायिक समझ सर्वोपरि है और उस पर शायद ही कोई सवाल उठाया जा सकता है। परिचालन ऋणदाता इस संहिता में अक्सर बाहर रखे जाने वाले विषय के रूप में नजर आते हैं।

एक दशक के क्रियान्वयन से परिणाम स्पष्ट हैं। वित्तीय ऋणदाताओं ने 2024-25 में स्वीकृत दावों का 38 फीसदी हिस्सा वसूल किया (परिहार लेनदेन और व्यक्तिगत गारंटरों से प्राप्तियों को छोड़कर) जबकि परिचालन ऋणदाताओं ने केवल 10 फीसदी वसूला। परिचालन ऋणदाता एक समान वर्ग नहीं हैं। इनमें सरकारें, श्रमिक, कर्मचारी और व्यापारिक विक्रेता शामिल हैं जिनमें से अधिकांश सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) हैं। परिसमापन की स्थिति में एमएसएमई सबसे नीचे होते हैं। यद्यपि अलग-अलग वसूली डेटा उपलब्ध नहीं है लेकिन व्यापारिक ऋणदाताओं के लिए वसूली नगण्य प्रतीत होती है।

यह परिणाम अपरिहार्य नहीं था। वर्ष 2019 के स्विस रिबन्स मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि प्रतिशत के आधार पर परिचालन ऋणदाताओं ने वास्तव में वित्तीय ऋणदाताओं से थोड़ी अधिक वसूली की थी और पंचाटों ने लगातार तुलनीय व्यवहार सुनिश्चित किया था। यह स्थिति जुलाई 2019 के संशोधन के बाद बदल गई जिसने समाधान आय के वितरण को ऋणदाताओं की समिति की वाणिज्यिक समझदारी के दायरे में रखा। उसी वर्ष बाद में संशोधन को बरकरार रखते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने प्रभावी रूप से ऋणदाता वर्गों की तरफदारी वाले भुगतान को सार्थक समीक्षा से अलग कर दिया। तब से आपूर्तिकर्ताओं के लिए वसूली की दर बराबरी के स्तर से गिरकर सांख्यिकीय रूप से नगण्य हो गई है।

आईबीसी वित्तीय ऋणदाताओं को यह तय करने का अधिकार देता है कि समाधान आय कैसे साझा की जाएगी। इसमें उनका अपना हिस्सा भी शामिल है, जबकि परिचालन ऋणदाताओं को न तो वोट का अ?धिकार मिलता है और न ही प्रतिकूल आवंटन के खिलाफ कोई उपाय। व्यावसायिक समझ से कारोबार के फैसलों को सही ठहराया जा सकता है, न कि खुद से मूल्य तय करने को। यह हितों के टकराव का सटीक उदाहरण है जहां वितरण तय करने वाला पक्ष ही उसका मुख्य लाभार्थी है। यह विषमता प्रक्रियात्मक बाधाओं से और मजबूत होती है। वर्ष 2020 से सीआईआरपी शुरू करने के लिए डिफॉल्ट सीमा लगभग 1 करोड़ रुपये है।

–सुनील कुमार महला

कलम से क्रांति, कलम से ही भ्रांति,लेखन का असीमित प्रभाव

मनुष्य को प्रकृति ने अनेक वरदान दिए हैं, किंतु उनमें सबसे विलक्षण वरदान वाणी और शब्द हैं। शब्द ही मनुष्य को अन्य प्राणियों से अलग पहचान देते हैं। भारतीय चिंतन परंपरा में कहा गया अक्षर कभी नष्ट नहीं होते।शब्द समय की सीमाओं को लाँघकर पीढ़ियों तक जीवित रहते हैं। इसी कारण लेखनी को तलवार से अधिक शक्तिशाली माना गया है। तलवार केवल शरीर को घायल करती है, जबकि शब्द मन, मस्तिष्क और आत्मा तक को झकझोर देते हैं। इसलिए यह कहा गया है कि बोलने से पहले सौ बार सोचो, और लिखने से पहले हजार बार।

लेखनी सृजन का भी माध्यम है और विनाश का भी। कलम से क्रांति भी जन्म लेती है और भ्रांति भी फैलती है। इतिहास साक्षी है कि विचारों ने साम्राज्यों को बदला है, क्रांतियों को जन्म दिया है और सभ्यताओं की दिशा निर्धारित की है। महान फ्रांसीसी चिंतक वोल्टेयर का कथन है विचारों की शक्ति तलवार से कहीं अधिक स्थायी होती है। इसी भाव को अंग्रेज़ी साहित्य के प्रसिद्ध लेखक अर्नेस्ट हेमिंग्वे ने अपने लेखन से सिद्ध किया। उनके शब्द सीधे पाठकों के हृदय में उतर जाते थे। शब्दों की यही संवेदनशीलता उन्हें विश्व साहित्य के शिखर पर स्थापित करती है।

भारतीय साहित्य की परंपरा भी शब्दों की इसी दिव्य शक्ति की साक्षी है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस के माध्यम से न केवल भक्ति का अमृत प्रवाहित किया, बल्कि भारतीय समाज को नैतिकता, मर्यादा और मानवता का मार्ग भी दिखाया। कबीर ने सहज और लोकभाषा में ऐसे दोहे रचे जो आज भी सामाजिक चेतना के दीपक हैं। उन्होंने कहा कि

ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होय॥

यह केवल काव्य नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवन-दर्शन है। मुंशी प्रेमचंद ने अपने उपन्यासों और कहानियों के माध्यम से समाज की पीड़ा को शब्द दिए। उनकी लेखनी ने शोषितों, किसानों और वंचितों की आवाज़ बनकर साहित्य को जनजीवन से जोड़ा। देवकीनंदन खत्री की चंद्रकांता और चंद्रकांता संतति ने लाखों लोगों को हिंदी सीखने के लिए प्रेरित किया। यह किसी लेखक की लेखनी की सबसे बड़ी सफलता कही जा सकती है।

आधुनिक हिंदी साहित्य में अज्ञेय ने भाषा को नई संवेदनशीलता और बौद्धिक ऊँचाई प्रदान की। उनकी शब्दावली भले ही गंभीर रही हो, किंतु उसका प्रभाव पाठकों के अंतर्मन तक पहुँचता है। रामधारी सिंह %दिनकर% ने लिखा था शब्द जब अन्याय के विरुद्ध उठते हैं, तब वे क्रांति बन जाते हैं। यही साहित्य का वास्तविक उद्देश्य भी है।

राजनीति और कूटनीति में शब्दों का महत्व और भी बढ़ जाता है। एक शब्द युद्ध का कारण बन सकता है तो दूसरा शांति का सेतु। इतिहास में अनेक अवसर ऐसे आए जब नेताओं के भाषणों ने समाज को दिशा दी, तो अनेक बार असावधान वक्तव्यों ने हिंसा और वैमनस्य को जन्म दिया। कूटनीति में तो एक-एक शब्द को अत्यंत सावधानी से चुना जाता है, क्योंकि उसका अर्थ केवल भाषा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि राष्ट्रों के संबंधों को भी प्रभावित करता है।

महाभारत का प्रसंग इसका सशक्त उदाहरण है। द्रौपदी के कटु वचनों और अपमान की घटनाओं ने अंततः महायुद्ध का मार्ग प्रशस्त किया। दूसरी ओर भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों ने अर्जुन के संशय को दूर कर धर्म और कर्तव्य का मार्ग प्रशस्त किया। यह शब्दों की ही शक्ति थी। आज के डिजिटल युग में शब्दों की शक्ति और भी बढ़ गई है। सोशल मीडिया पर लिखा गया एक वाक्य लाखों लोगों तक कुछ ही क्षणों में पहुँच जाता है। एक असत्य सूचना समाज में भ्रम, भय और हिंसा फैला सकती है, जबकि एक सकारात्मक संदेश लाखों लोगों को प्रेरित कर सकता है। इसलिए लेखन और वक्तव्य दोनों में संयम, सत्य और उत्तरदायित्व अनिवार्य हैं।

महात्मा गांधी ने कहा था सत्य और अहिंसा केवल कर्म में ही नहीं, वाणी में भी दिखाई देनी चाहिए।

स्वामी विवेकानंद युवाओं से कहते थे–ऐसा बोलो जिससे लोगों में आत्मविश्वास जागे, निराशा नहीं।

आचार्य विनोबा भावे का मानना था कि वाणी वही श्रेष्ठ है जो मनुष्य और समाज दोनों का कल्याण करे।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भी शब्दों का महत्व अत्यंत गहरा है। विश्व के बड़े राष्ट्रों के राष्ट्राध्यक्षों के वक्तव्य कई बार युद्ध और शांति के बीच की दूरी तय करते हैं। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में संवाद, संयम और कूटनीतिक भाषा की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। भारत की पहचान विश्व में शांति, सह-अस्तित्व और संवाद की संस्कृति के कारण रही है। यही कारण है कि अनेक अंतरराष्ट्रीय विवादों में भारत को विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में देखा जाता है।

भारतीय संस्कृति ने सदैव ÷वसुधैव कुटुम्बकम÷ और ÷सर्वे भवन्तु सुखिनः÷ का संदेश दिया है। हमारी संत परंपरा, साहित्य और दर्शन मधुर वाणी, संतुलित भाषा और सद्विचारों को सामाजिक विकास का आधार मानते हैं। शब्द तभी सार्थक हैं जब वे मनुष्य को जोड़ें, तोड़ें नहीं; आशा जगाएँ, निराशा नहीं; शांति स्थापित करें, संघर्ष नहीं। आज आवश्यकता इस बात की है कि विशेषकर युवा पीढ़ी सोशल मीडिया, सार्वजनिक जीवन और व्यक्तिगत व्यवहार में शब्दों का चयन अत्यंत सावधानी से करे। कम बोलना, अधिक सोचना और सार्थक लिखना ही व्यक्तित्व की सबसे बड़ी पहचान है।

अंततः यही कहा जा सकता है कि संसार पर वही व्यक्ति स्थायी प्रभाव छोड़ता है जो अपने शब्दों का विवेकपूर्ण प्रयोग करना जानता है। गलत शब्द संबंध तोड़ सकते हैं, समाज में विद्वेष फैला सकते हैं और विनाश का कारण बन सकते हैं; जबकि मधुर, संतुलित और सत्यनिष्ठ शब्द टूटे हुए मनों को जोड़ सकते हैं, युद्ध को शांति में बदल सकते हैं और मानवता को नई दिशा दे सकते हैं।

कलम केवल स्याही से नहीं चलती, वह विचारों, विवेक, संवेदना और उत्तरदायित्व से चलती है। इसलिए लिखिए भी सोच-समझकर, बोलिए भी तौल-तौलकर क्योंकि कलम से क्रांति भी जन्म लेती है और कलम से ही भ्रांति भी।

–संजीव ठाकुर

विकसित भारत के लिए नीतियों और अभियानों से ज्यादा गतिशील संस्थाओं की जरूरत

भारत एक दुर्लभ मोड़ पर खड़ा है। अगले 10 से 15 वर्षों तक उसके पास सतत समृद्धि हासिल करने और एक उच्च आय वाला देश, एक विकसित भारत, बनने के अपार अवसर हैं। तीन अवसर खुले हैं, और एक-दो दशक में तीनों ही समाप्त हो जाएंगे। ये हैं- जनसंख्या का अवसर- 2030 के दशक के आरंभ से मध्य तक हमारी कार्यशील आयु वर्ग की हिस्सेदारी और निर्भरता अनुपात सबसे अनुकूल रहेगा और उसके बाद इसमें लगातार गिरावट शुरू हो जाएगी। ऊर्जा का अवसर-इस दशक में स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं और निवेश की नींव रखी जा रही है।

प्रौद्योगिकी का अवसर- आर्टिफिशल इंटेलिजेंस वैश्विक अर्थव्यवस्था के केंद्र में आ गई है, और एआई युग के नियम अब तय किए जा रहे हैं। हमें इन तीनों अवसरों का लाभ उठाना चाहिए जब तक ये खुले हैं।

हिसाब बिल्कुल साफ है। भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग 2,700 डॉलर है, उच्च आय की सीमा लगभग 14,000 डॉलर है। विश्व बैंक के अनुसार, 1990 के बाद से केवल 34 अर्थव्यवस्थाओं ने ही यह छलांग लगाई है, जिनमें से अधिकतर छोटी या संसाधन संपन्न हैं। 140 करोड़ की आबादी वाला चीन एक ही पीढ़ी में इस सीमा को पार करने वाला है, इसलिए हमारे जैसे देश भी ऐसा कर सकते हैं। लेकिन हमें एक पीढ़ी तक प्रति व्यक्ति आय में हर साल लगभग 7 फीसदी की वृद्धि की आवश्यकता है।

इसके अलावा, जैसे-जैसे समृद्ध देश आप्रवासन पर प्रतिबंध लगा रहे हैं, हमारे प्रतिभाशाली युवाओं को विदेश में कम अवसर मिलेंगे, इसलिए हमें देश में ही अवसर पैदा करने होंगे।

चीन केंद्रीय नियोजन, एकदलीय शासन की निरंतरता और पूंजी पर पूर्ण नियंत्रण के माध्यम से इस मुकाम तक पहुंचा है, एक ऐसा रास्ता जिसका अनुसरण भारत न तो कर सकता है और न ही करना चाहिए। भारत एक संघीय लोकतंत्र है, जिसमें स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र चुनाव, स्वतंत्र प्रेस और एक ऐसा संघ है जिसे राज्यों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। हमें एक अलग मार्ग अपनाना होगा।

हम इस रास्ते को किसी व्यापक नीतिगत पैकेज या राष्ट्र निर्माण के नए अभियानों के माध्यम से नहीं खोज पाएंगे। भारत में नीतियों या अभियानों की कमी नहीं है। बल्कि, यहां गतिशील संस्थानों की कमी है जो इन्हें टिकाऊ, अनुकूलनीय और जवाबदेह बना सकें। नेता, नीतियां और अभियान सभी आवश्यक हैं, लेकिन वे पर्याप्त नहीं हैं। असली काम संस्थागत स्तर पर नियमों में है। हमारी राष्ट्रीय बहस का एक बड़ा हिस्सा नीतिगत पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए संस्थागत ढांचे को नजरअंदाज कर देता है। अगले 15 वर्षों का लक्ष्य ऐसी संस्थागत संरचना का निर्माण करना है जिसके माध्यम से प्रमुख पहलें राजनीतिक चक्रों से परे जा सकें, प्रतिभाओं को आकर्षित कर सकें, पूंजी जुटा सकें और व्यापक स्तर पर परिणाम दे सकें।

भारत गतिशील संस्थाओं का निर्माण करना जानता है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) हॉलीवुड फिल्म के बजट से भी कम खर्च में मंगल ग्रह तक पहुंचने में सफल हुआ, और यह सब उसकी तकनीकी स्वायत्तता की रक्षा करने वाली संस्कृति के कारण संभव हुआ। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद में केंद्र को एक तिहाई और राज्यों को दो तिहाई मत दिए गए हैं और लगभग सभी निर्णय सर्वसम्मति से लिए जाते हैं।

दिवालियापन और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) ने एक समयबद्ध, लेनदार-केंद्रित प्रक्रिया बनाई, जो पहले मौजूद नहीं थी, हालांकि इसमें कुछ सुधार की आवश्यकता है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, यूपीआई, भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड को भी इसमें जोड़ दें, तो स्थिति स्पष्ट हो जाती है। ये उत्कृष्टता के प्रतीक हैं, लेकिन ये अपने आप में पर्याप्त नहीं हैं।

एक गतिशील संस्था को तीन कसौटियों पर खरा उतरना चाहिए। यह सक्षम, विधिसम्मत और जवाबदेह होनी चाहिए। एक सक्षम संस्था में निरंतर पेशेवर नेतृत्व, स्थिर वित्तपोषण, तकनीकी स्वायत्तता और अनुकूलन क्षमता होती है, जिससे वह दीर्घकालिक परिणाम दे सकती है। एक विधिसम्मत संस्था टिकाऊ कानून, स्पष्ट जनादेश और समीक्षा योग्य निर्णयों पर आधारित होती है, जिससे नागरिक और निवेशक नियमों पर भरोसा कर सकें।

एक जवाबदेह संस्था कई हितधारकों के बीच शक्ति का वितरण करती है, पारदर्शी रूप से रिपोर्ट करती है और निर्वाचित प्रतिनिधियों, जनता और स्वतंत्र समकक्षों के प्रति जवाबदेह होती है, ताकि स्वायत्तता कभी भी दमन में तब्दील न हो। भारत को राज्य, बाजार और समाज में पर्याप्त संख्या में ऐसी संस्थाओं की आवश्यकता है, जो एक एकीकृत संरचना के रूप में कार्य करें।

ये परीक्षण एक रिपोर्ट कार्ड हैं, कोई नुस्खा नहीं। किसी भी सार्वजनिक संस्था से तीन प्रश्न पूछे जा सकते हैं- क्या वह अपने लक्ष्य को पूरा कर सकती है? क्या वह भरोसेमंद होने के लिए पर्याप्त रूप से कानूनी है? क्या वह टिकाऊ होने के लिए पर्याप्त रूप से जवाबदेह है?

इन सवालों का सही जवाब मिलने पर सीधा लाभ मिलता है। जब अदालतें धीमी गति से काम करती हैं, नियामक अप्रत्याशित होते हैं या अनुबंधों को लागू करना कठिन होता है, तो निवेशक जोखिम के बदले अधिक रिटर्न की मांग करते हैं, और पूरी अर्थव्यवस्था में पूंजी की लागत बढ़ जाती है। विश्वसनीय संस्थाएं उस जोखिम प्रीमियम को कम करती हैं, और खरबों डॉलर के निवेश कार्यक्रम में, कुछ प्रतिशत अंक ही यह तय करते हैं कि बदलाव के लिए धन मिलेगा या बस सीमित मात्रा में संसाधन दिए जाएंगे।

परीक्षणों पर सहमति बनाना शुरुआत है, अंत नहीं। रास्ता जाना-पहचाना है- प्रत्येक संस्था का तीनों परीक्षणों के आधार पर विश्लेषण करें, सुधार और नई संस्थाओं के निर्माण का क्रम निर्धारित करें, सभी दलों और केंद्र तथा राज्यों के बीच आम सहमति बनाएं, और चरणबद्ध तरीके से कानून बनाएं। इसी तरह हमने जीएसटी और आईबीसी बनाए।

सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि हमें तेजी से आगे बढ़ना होगा, क्योंकि चाहे हम तैयार हों या न हों, अवसर समाप्त हो जाएंगे, और संस्थाओं को परिपक्व होने में वर्षों लग जाते हैं। गणित स्पष्ट है, और इसमें देरी की कोई गुंजाइश नहीं है। अभी पर्याप्त सक्षम, वैध और जवाबदेह संस्थाएं बनाएं, और भारत अपने तीन अवसरों को उच्च आय वाले परिवर्तन में बदल सकता है, एक समृद्ध, न्यायपूर्ण और हरित विकसित भारत में बदल सकता है।

–धनंजय राजौरा

सहज योग ध्यान : विचार-शून्य निर्विकल्प समाधि का सहज मार्ग

विचार शून्यता वह स्थिति है जहाँ मन पूरी तरह शांत और सचेत रहता है। यही अवस्था गहन ध्यान की अवस्था है जो हमें स्वयं से और पूरे ब्रम्हांड में फैले परा शक्ति से जोड़ता है। हमारी इस स्थिति की अभिव्यक्ति हमारे मध्य नाड़ी तंत्र पर होती है।

ध्यान मार्ग पर अग्रसर सभी साधकों को निर्विचार होना सबसे कठिन लगता है। हम सप्रयास ध्यान करते हैं तो असहजता महसूस होती है और विचार पीछा नहीं छोड़ते। इसका सबसे बड़ा कारण हमारा संतुलित ना होना ही होता है। सहजयोग की ध्यान पद्धति हमारी बाईं ओर की ईडा नाड़ी और दाहिनी ओर की पिंगला नाड़ी को संतुलित करती है। बाईं ओर की नाड़ी हमारे भूतकाल की और दाहिनी ओर की नाड़ी हमारे भविष्य काल की नाड़ी है। पंचतत्वों के प्रभाव से जब नाड़ियां संतुलित होती हैं। तब हमारे मन को अतीत के पछतावे और भविष्य की चिंताओं से मुक्त करती है जिससे कुंडलिनी शक्ति का सहज जागरण होता है, मध्य नाड़ी में स्थित चक्र भी संतुलित होते हैं और हमारे अंदर परा शक्ति के चैतन्य का बहाव होने लगता है। यह एक बहुत ही सुखद अवस्था है, जिसकी अनुभूति हमें ध्यान मार्ग के उच्च अवस्था में ले जाता है।

अत- हमारे अंदर स्थित कुंडलिनी शक्ति का जागरण आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से होना आवश्यक है, तभी हम निर्विकल्प समाधि की इस अवस्था का अनुभव कर सकते हैं, जो वास्तविक मानसिक शांति और आनंद का स्रोत है। यही हमारे आंतरिक विकास की प्रक्रिया है और हम मानव का, सर्वोच्च गौरव? आत्मस्वरुप को पा लेते हैं।

इस अवस्था में हम वर्तमान में होते हैं। हम घटनाओं और दृश्यों को देखते हैं लेकिन विचारों में नहीं उलझते। यह साक्षी भाव है जो हमारे अंदर जागृत हो जाता है। सातों चक्र के अलग अलग गुण हैं। चक्र की जागृति के पश्चात यह गुण हममें स्वयं ही प्रगट होने लगते हैं।

सांसद एवं विधायक निधि मद से होने वाले कार्यो को शीघ्रता से करायें- आयुक्त

सिवरेज लाईन से कनेक्शन कराने का लक्ष्य पूरा नही तो रूकेगी वेतन वृद्धि

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समयावधि पत्रों एवं सीएम हेल्प लाईन की शिकायतों की समीक्षा मंगलवार 30 जून को आयुक्त दलीप कुमार ने की। विद्युत बिलों की खपत को लेकर आयुक्त ने संबंधित अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि एसटीपी, वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट तथा ऐसे विद्युत संयोजन जहां बडे पम्प लगे हैं उन पम्पों की एफीसिएन्सी (दक्षता) चेक करने के निर्देश दिए साथ ही बावडिया एवं मधुमिलन चौराहे पर हाई मास्ट लगाने के साथ ही ट्राफीक सिग्नल के संबंध मे भी जानकारी ली तथा कार्यो को गति देने के निर्देश दिए।

खुले प्लाटों पर कचरा पाये जाने पर स्वच्छता निरीक्षकों के विरूद्ध होगी कार्रवाई- स्वच्छता निरीक्षकों को शहर मे स्वच्छता बनाये रखने के साथ ही खुले प्लाटों पर कचरा ना डले, गीला एवं सुखा कचरा मिक्स गाडीयों मे ना डले इस पर फोकस करते हुए मैरीज गार्डनों से गीला एवं सुखा कचरा अलग अलग प्राप्त हो इसके साथ ही यह भी चेक करने हेतु कहा कि मैरीज गार्डनों के गीले कचरे का सिवरेज से कनेक्शन नही होना चाहिए, कनेक्शन पाये जाने पर मैरीज गार्डन पर पेनल्टी लागाये जाने के निर्देश दिए।

हरित क्रान्ती अभियान के अन्तर्गत लक्ष्य अनूरूप पौधारोपण किया जाना है। इस हेतु उद्यान विभाग प्रभारी से जानकारी ली तथा दिशा निर्देश देते हुए वर्षा आरंभ होने से ही पौधारोपण के कार्यो को गति देने हेतु कहा।

कायाकल्प 1 व 2 के कार्यो की की समीक्षा- आयुक्त ने कायाकल्प 1 व 2 के अन्तर्गत सडक निर्माण की जानकारी लेते हुए समय सीमा के अन्दर आने वाली डेमेज सडकों का पेंच वर्क एवं रिरेस्टोरेशन कार्य कराये जाने के निर्देश सहायक यंत्री को दिए।

आयुक्त ने सांसद निधि एवं विधायक निधि से होने वाले कार्यो की भी समीक्षा करते हुए सांसद एवं विधायक निधि से प्राप्त मद अनुसार जो कार्य होना है उसकी जानकारी सहायक यंत्री से ली उक्त मद से किये जाने वाले कार्यो को शीघ्रताशीघ्र पूर्ण कराने के साथ ही ऐसे कार्य जो किन्ही कारणों से पेंडिंग हैं उसकी मानिटरिंग कर निराकरण करने के निर्देश सहायक यंत्री को दिए।

समय सीमा मे कार्य प्रारंभ करें- निर्माण कार्यो में सीसी रोड, सामुदायिक भवन, उद्यान विकास कार्य के साथ अन्य निर्माण कार्यो की निविदा आमंत्रित की गई है। समय सीमा मे संबंधित फर्मो से अनुबंध संपादित कर कार्य शीघ्रता से कार्य प्रारंभ करने के निर्देश कार्यपालन यंत्री एवं सभी उपयंत्रियों को दिए।

निर्माण कार्य पूर्ण नही तो फर्म होगी ब्लेक लिस्टेड- ऐसे फर्म/ ठेकेदार के द्वारा निर्माण कार्य पूर्ण नही किये जा रहे हैं उन पर पेनल्टी लगायें तथा ब्लेक लिस्टेड की कार्रवाई करें।

आवारा श्वानों व मवेशियों को पकडने के कार्य मे गति लाने के निर्देश

आवारा श्वानों एवं मवेशियों को पकडने की कार्रवाई में प्रगति नही होने से आयुक्त ने टीम प्रभारी को आवारा श्वानों से हो रही दुर्घटनाओं से बचाव के लिए प्रतिदिन श्वानों को पकडने की तेज गति से कार्रवाई करने के साथ ही आवारा मवेशियों को भी पकड कर गौशाला छोडने के निर्देश दिए। आयुक्त ने गौशाला में प्रकाश व्यवस्था के साथ गौशाला शेड में पंखे लगाये जाने के साथ ही पर्याप्त भूसा रखने के निर्देश दिए।

समय सीमा मे प्राप्त शिकायतों का करें निराकरण- सीएम हेल्प लाईन मे प्राप्त शिकायतों, अस्थाई अतिक्रमण एवं अन्य जनसुविधा हेतु प्राप्त शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश आयुक्त ने दिए तथा सभी स्वच्छता निरीक्षकों को सिवरेज लाईन सेकनेक्शन लक्ष्य अनूरूप नही करने तथा कार्य में प्रगति नही होने से आयुक्त ने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए एक हफ्ते की समय सीमा में दिए गये लक्ष्य की पूर्ति नही होती है तो चेतावनी देते हुए वेतन वृद्धि रोके जाने हेतु कहा।।

राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग में सीहोर जिले के महुआखेड़ी तकीपुर विद्यालय का चयन

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग 2025-26 के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर चयनित विद्यालयों की सूची में सीहोर जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय, महुआखेड़ी तकीपुर का चयन होने से जिले को महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। यह उपलब्धि विद्यालय द्वारा स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा दक्षता, हरित परिसर के विकास तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति किए गए उत्कृष्ट कार्यों का परिणाम है। विद्यालय ने इन क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है, जो जिले एवं प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार, शिक्षकों और विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल विद्यालय विकसित करने के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि जिले के अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणा बनेगी तथा सभी विद्यालय स्वच्छता एवं हरित वातावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रोत्साहित होंगे।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने कहा कि विद्यालयों में स्वच्छ एवं हरित वातावरण का निर्माण विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय स्तर पर जिले के विद्यालय का चयन होना इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपेक्षा व्यक्त की।

जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) श्री रमेशराम उईके ने बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार चयनित विद्यालय को आगे भी आवश्यक तकनीकी एवं संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही विद्यालय की श्रेष्ठ कार्यप्रणाली, नवाचारों एवं सफलताओं का दस्तावेजीकरण कर अन्य विद्यालयों तक पहुंचाया जाएगा, जिससे जिले के अधिकाधिक विद्यालय स्वच्छ एवं हरित विद्यालय की अवधारणा को प्रभावी रूप से अपनाकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर सकें।

राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जारी पत्र के अनुसार चयनित विद्यालयों को प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। साथ ही विद्यालयों की स्वच्छ एवं हरित गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रोत्साहन राशि तथा शैक्षणिक अध्ययन भ्रमण (एक्सपोज़र विजिट) जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे इन विद्यालयों को अन्य विद्यालयों के लिए लाइट हाउस विद्यालय के रूप में विकसित किया जा सके।

देवास में पवार परिवार को सांत्वना देने पहुंचे सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी, स्व. समंदरसिंह पंवार को अर्पित किए श्रद्धासुमन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास शाजापुर संसदीय क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने मंगलवार को वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्रसिंह पंवार के निवास पहुंचकर उनके पूज्य पिताश्री स्वर्गीय समंदरसिंह पंवार (बोरेखेड़ा वाले) के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। सांसद श्री सोलंकी ने शोकाकुल परिवार से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर सांसद श्री सोलंकी के साथ वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह चौहान, वार्ड क्रमांक 24 की पार्षद ऋतु सावनेर, शंभू अग्रवाल, शेखर कौशल, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह (सोनकच्छ) सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं वार्डवासी भी उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय समंदरसिंह पंवार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा शोक संतप्त पंवार परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। श्रद्धांजलि सभा के दौरान उपस्थित जनों ने स्वर्गीय समंदरसिंह पंवार के सरल, मिलनसार एवं समाजसेवी व्यक्तित्व को स्मरण करते हुए उनके प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। शोकसभा का वातावरण अत्यंत भावुक एवं श्रद्धामय रहा।

संबल योजना में निगम सीमा क्षेत्र के हितग्राहियों को 70 लाख की राशि अंतरण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना अन्तर्गत अनुग्रह सहायता राशि का वितरण निगम बैठक हाल में बुधवार 1 जुलाई को किया गया। अनुग्रह सहायता राशि का अंतरण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा सिवनी से सिंगल क्लीक के माध्यम से किया गया। मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना अन्तर्गत पंजीकृत हितग्राही की सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख तथा दुर्घटना मे मृत्यु होने पर 4 लाख की सहायता राशि मृतक के परिजनों को दी जाती है।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल के द्वारा सभापति रवि जैन, विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, निगम स्वास्थ्य समिती अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिंह बैस, लोक निर्माण समिती अध्यक्ष गणेश पटेल के साथ 34 हितग्राहियों को 70 लाख की सहायता राशि के स्वीकृति पत्रों को वितरण किया गया। जिसके अन्तर्गत 33 पंजीकृत मृतक श्रमिकों के परिजनों को 66 लाख तथा दुर्घटना मे 1 मृतक के परिजनों को 4 लाख की अनुग्रह सहायता दी गई।

महापौर ने अनुग्रह साहयता राशि प्राप्त करने वाले हितग्राहियों से कहा कि वे प्राप्त राशि से अपने परिवार का पालन पौषण कर बच्चों को शिक्षा दिलवायें।

सभापति ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं से परिवार के मुखिया के असमायिक जाने से परिवार को कई समस्याओं का सामना करना पडता है। केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से इस प्रकार से मिली सहायता राशि से परिवार को संबल मिलता है ओर वह अपने परिवार का भरण पोषण अच्छे से कर सकता है।

इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि श्री अग्रवाल ने अपने उद्बोधन मे कहा कि राज्य सरकार के द्वारा जनकल्याणकारी योजन व संबल योजना में पंजीकृत हितग्राही की मृत्यु होने पर उनके परिवारजनों को अनुग्रह सहायता राशि उपलब्ध कराती है। जिससे परिवार को अर्थिक रूप से संबल मिलता है।

कार्यक्रम का संचालन निगम उपायुक्त जाकिर जाफरी ने किया तथा आभार श्रम कल्याण विभाग से राहूल मुवेल ने माना। इस अवसर पर बडी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

10 लाख में से 3 लाख से अधिक की राशि पहुंची पीड़ितों के खातों में

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एसपी यशपालसिंह राजपूत के निर्देशन में शाजापुर साइबर पुलिस द्वारा माह जून के दौरान साइबर अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर साइबर ठगी के मामलों में लगभग 10 लाख 65 हजार की राशि विभिन्न बैंक खातों में होल्ड कराई गई। इनमें से न्यायालय के आदेश के उपरांत लगभग 3 लाख 91 हजार की राशि संबंधित पीड़ितों के बैंक खातों में सफलतापूर्वक वापस कराई गई। पुलिस ने केवल राशि ही वापस नहीं करवाई बल्कि इसी अवधि में साइबर अपराधों में उपयोग किए जा रहे 49 मोबाइल नंबर एवं 95 आईएमईआई नंबर भी ब्लॉक कराए गए, जिससे साइबर अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में सफलता मिली। शाजापुर पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम, अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई तथा पीड़ितों को शीघ्र राहत दिलाने के लिए लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

शाजापुर पुलिस की आमजन से अपील- यदि आप किसी भी प्रकार की साइबर ठगी का शिकार होते हैं, तो बिना विलंब राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर काल‍ल करें या वेबसाईट पर अपनी शिकायत दर्ज करें। समय पर शिकायत दर्ज कराने से ठगी गई राशि को होल्ड कर पीड़ित को वापस दिलाने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

सुनेरा सहकारी संस्था गबन मामले में दो आरोपियों को 4 साल की सजा, 5 लाख का अर्थदंड

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की कृषि साख सहकारी संस्था सुनेरा में खाद और बीज गबन मामले में कोर्ट ने बुधवार शाम को दो आरोपियों को दोषी ठहराया है। षष्टम अपर सत्र न्यायाधीश ने दोनों को चार-चार साल के कठोर कारावास और पांच-पांच लाख रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई। अतिरिक्त लोक अभियोजक नीरज द्विवेदी ने बताया कि यह मामला वर्ष 2020 का है। संस्था से जुड़े आरोपी मेहरबानसिंह राजपूत और मांगीलाल शर्मा ने किसानों को बांटे जाने वाले खाद और बीज का गबन किया था। इस खुर्द-बुर्द किए गए सामान की कुल कीमत 21 लाख 83 हजार 283 रुपए आंकी गई थी। आरोपियों ने इस पूरी आर्थिक अनियमितता के लिए संस्था के रजिस्टरों और अन्य सरकारी दस्तावेजों में जानबूझकर हेरफेर की थी। मामला सामने आने के बाद सुनेरा थाना पुलिस ने इस पूरे घोटाले की जांच की थी। जांच के दौरान सुनेरा पुलिस ने जरूरी साक्ष्य जुटाकर कोर्ट में चालान पेश किया था। सुनवाई के दौरान अतिरिक्त शासकीय अभिभाषक नीरज द्विवेदी ने पुख्ता दस्तावेजी और मौखिक साक्ष्य प्रस्तुत किए। इसके आधार पर कोर्ट ने दोनों आरोपियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 409 के तहत दोषी पाते हुए सजा सुनाई।

35 दिव्यांगजनों को कृत्रिम उपकरणों का वितरण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार की एपिड योजनान्तर्गत अस्थिबाधित दिव्यांगजनों के लिए मौके पर शिविर मे ही कैलीपर्स/कृत्रिम अंग (हाथ–पैर) के लिए चिन्हांकन सह वितरण शिविर का आयोजन एस.आर.ट्रस्ट रतलाम के सहयोग से नारायण विद्या मंदिर क्रमांक 1 मे जिला एवं निगम प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उक्त शिविर मे अस्थिबाधित (हाथ कटा हुआ, पैर कटा हुआ एवं पोलियो ग्रस्त) दिव्यांगजन का परीक्षण उपरांत चिन्हांकन कर शिविर स्थल पर ही कैलीपर्स/कृत्रिम अंग (हाथ–पैर) बनाकर प्रदान किये गये। शिविर का आयोजन 30 जून मंगलवार को प्रात~ 9 बजे से सांय 6 बजे तक किया गया।

निगम सभापति रवि जैन ने शिविर मे पहुंचकर दिव्यांजनों को प्रदान किए जाने वाले कृत्रिम अंगो की जानकारी संस्था के पदाधिकारी से ली ओर दिव्यांगजनों से चर्चा की और संस्था के मेनेजर लाखनसिंह व कर्मचारी श्री पाण्डे का पुष्पमाला पहनाकर सम्मन किया। सभापति ने कहा कि आपकी संस्था पुण्य का कार्य कर रही हैं। आपकी संस्था एस.आर.ट्रस्ट एक प्रेरणा है आपके द्वारा जो कृत्रिम अंग दिव्यांगजनों को दिया गया ओर दिव्यांगजन यहां से चल कर गये उनके चेहरे पर प्रसन्नता देखी इस लिए आपका आभार। सभापति ने बताया की शीघ्र ही निगम में प्राप्त आवेदन अनुसार शिविर का आयोजन किया जावेगा जिसमें शेष रहे दिव्यांगजनों को भी कृत्रिम अंग प्रदान किये जा सकेगें। इस अवसर पर निगम उपायुक्त जाकिर जाफरी, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि नितीन आहूजा, समग्र विस्तार अधिकारी महिमा जैन, जनपद कार्यालय से तमन्ना कोचले, मुन्ना कुरैशी, आकाश बोडाना, राहूल त्रिवेदी, नितीन नरवरिया, प्रदीप शर्मा, परवेज, आजाद, महेश चौहान व बडी संख्या मे दिव्यांजन एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

शाजापुर को प्रदेश कांग्रेस में मिली बड़ी तरजीह

मूसा आजम खान बने प्रदेश महासचिव, समर्थकों ने आतिशबाजी कर मनाई खुशी

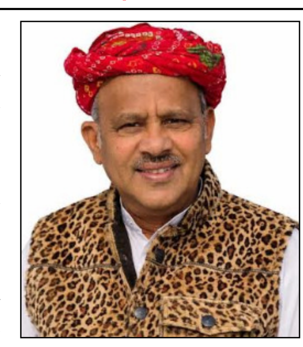

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में कांग्रेस संगठन को और अधिक धारदार बनाने तथा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करने के लिए पार्टी आलाकमान ने एक बड़ा संगठनात्मक दांव खेला है। शाजापुर के जाने-माने चेहरे सरदार मूसा आजम खान का सियासी कद बढ़ाते हुए, उन्हें मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नगरीय निकाय प्रकोष्ठ में प्रदेश महासचिव के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया है। इस ऐलान के साथ ही समर्थकों में भारी उत्साह है।

राजनीतिक गलियारों में इस नियुक्ति को शाजापुर के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। नगरीय निकाय प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक निशंक जैन द्वारा इस संबंध में नियुक्ति पत्र जारी किया गया है। यह अहम फैसला सीधे मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशों पर लिया गया है, जिसमें संगठन महासचिव डॉ. संजय कामले और प्रभारी डॉ. महेन्द्रसिंह चौहान की पूर्ण सहमति शामिल है। पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि उन्हें खान से यह पूरी उम्मीद है कि वे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी की नीतियों और विजन को पूरे प्रदेश में मजबूती से लागू करेंगे।

शहर में गूंजे ढोल-नगाड़े, हुई जमकर आतिशबाजी

इधर जैसे ही मूसा आजम खान को प्रदेश महासचिव बनाए जाने की खबर शाजापुर पहुंची उनके समर्थकों और स्थानीय कांग्रेसजनों में खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों ने वरिष्ठों के निर्णय का स्वागत ढोल-नगाड़ों व आतिशबाजी के साथ किया। शहर में जगह-जगह जश्न का माहौल रहा और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा करवाकर बधाइयां दीं। जश्न मना रहे कार्यकर्ताओं का मानना है कि खान को मिली इस प्रदेश स्तरीय जिम्मेदारी से न सिर्फ शाजापुर का मान बढ़ा है, बल्कि आने वाले समय में पूरे प्रदेश के नगरीय निकायों में कांग्रेस संगठन को इसका सीधा फायदा मिलेगा।

48 घंटे में जिले में होगा मानसून का मंगल प्रवेश

एक सप्ताह तक नगर में होगी हल्की से मध्यम बारिश, गर्मी से मिलेगी राहत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मानसून की राह देख रहे किसान व नगरवासियों के लिए मौसम विभाग ने राहत भरी खबर दी है, जिसके अनुसार अगले 48 घंटे में मानसून शाजापुर सहित आगर, देवास व उज्जैन जिले में प्रवेश करेगा। जिसके बाद नगर में एक सप्ताह तक हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना बन रही है। इसके बाद मजबूत सिस्टम बनेगा जिसके चलते नगर में अच्छी वर्षा की संभावना है।

पिछले चार माह से नगरवासी भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। इस दौरान कई बार तापमान 45 से 46 डिग्री तक भी पहुंचा। जून माह में भी गर्मी का असर कम होने के बजाए यथावत रहा जिसके चलते नगरवासी अभी तक गर्मी से राहत नहीं पा सके हैं और लगातार आसमान ताक रहे हैं। लेकिन अब आगामी 48 घंटे में नगरवासियों की मानसून की मंशा पूरी होने वाली है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि अगले 48 घंटे में मानसून का शाजापुर सहित आगर, उज्जैन और देवास जिले में प्रवेश होगा। इसके बाद एक सप्ताह तक नगर में हल्की या मध्यम वर्षा संभावित है। उन्होंने बताया कि इसके बाद यदि सिस्टम एक्टिव रहा और मजबूत रहा तो इसके बाद भी बारिश होती रहेगी।

गर्मी ने फिर किया बेहाल, शाम को छाए बादल- सोमवार को नगरवासियों को एक बार फिर भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। इस दिन अधिकतम तापमान 35 डिग्री से अधिक था और आसमान साफ होकर धूप खिली हुई थी, जिसके चलते नगरवासियों के पसीने छूट रहे थे जिनका गर्मी से बुरा हाल हो रहा था। दोपहर करीब 3 बजे तक भी लोगों को गर्मी की मार से राहत नहीं मिल पा रही थी। शाम करीब 4 बजे अचानक मौसम बदला और आसमान पर बादल छा गए जिसके बाद ठंडी हवाएं चलने लगी। मौसम विशेषज्ञ धनोतिया के अनुसार शाम को या देर रात शहर में हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है।

सच्चाई बताने का मिला इनाम, शिकायत करने वाले की बेटी को बीच रास्ते में उतार गई बस

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शाजापुर में 50 करोड रुपए की अधिक की लागत से तैयार लालघाटी स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल सांदीपनि विद्यालय में नए शिक्षा सत्र की शुरुआत के साथ ही परिवहन व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। जिसे लेकर जब एक व्यक्ति ने 181 पर शिकायत की। पहले ता संबंधित पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया गया। जब वह नहीं माना तो उसकी बेटी को बस से बीच रास्ते में उतार दिया गया।

दरअसल 15 से 20 दिन बीत जाने के बावजूद स्कूल की बस व्यवस्था पटरी पर नहीं आ सकी है। विद्यालय में लगभग 2600 से 2800 विद्यार्थियों के परिवहन की जिम्मेदारी केवल 11 बसों पर है, जिसके कारण रोजाना बड़ी संख्या में बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं। बुधवार सुबह इसका असर यह हुआ कि गांधी हाल क्षेत्र में सुबह करीब 9 बजे से 11 बजे तक दर्जनों विद्यार्थी बस का इंतजार करते रहे। बस पहले 60 बच्चों को लेकर स्कूल पहुंची और फिर वहीं खड़ी हो गई। बाकी बच्चों को लेने के लिए दूसरी व्यवस्था नहीं की गई। बाद में शिक्षा विभाग तक शिकायत पहुंचने पर बस दोबारा भेजी गई और बच्चों को स्कूल लाया गया। स्कूल के एक अधिकृत ग्रुप में भी संदेश जारी किया गया है कि एक बस में 60 से अधिक बच्चों को नहीं बैठाया जाए। ऐसे में अतिरिक्त बच्चों को बस में जगह नहीं मिल रही और वे या तो घंटों इंतजार कर रहे हैं या फिर बिना स्कूल पहुंचे घर लौट रहे हैं।

181 पर शिकायत की तो छात्रा को बस से उतारा- इस मामले को लेकर कक्षा 9 की छात्रा निहारिका मालवीय के पिता ने स्कूल की शिकायत 181 पर दर्ज कराई। आरोप है कि शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया गया और शिकायत वापस नहीं लेने पर छात्रा को बीच रास्ते मनोहर सिंह बंगले के पास बस से उतार दिया गया। लालघाटी से उसके घर की दूरी करीब 5 किलोमीटर है। छात्रा किसी तरह राहगीरों से लिफ्ट लेकर घर पहुंची। छात्रा निहारिका मालवीय ने बताया हम घंटों धूप में खड़े रहते हैं। बस वाले कहते हैं कि जगह नहीं है। शिकायत करने के बाद शिकायत वापस लेने को कहा गया। मंगलवार को हमें रास्ते में बस से उतार दिया गया। फिर रुक-रुककर लिफ्ट लेकर घर पहुंचे।

बच्चो को लिए बिना लौट रही बस, अभिभावक हो रहे परेशान- इसे लेकर अभिभावक भी नाराज हैं। उनका कहना है कि पहले हमारे गांव में बस आती थी, लेकिन इस साल बच्चे सड़क पर खड़े रह जाते हैं और बस बिना बैठाए निकल जाती है। आज एक-एक बाइक पर तीन-तीन और चार-चार बच्चों को स्कूल छोड़ना पड़ा। हमारे गांव के 30 से 40 बच्चे रोज प्रभावित हो रहे हैं। अभिभावक संतोष ने बताया कि बस नहीं आने से उन्हें रोज अपना काम छोड़कर बच्चों को स्कूल पहुंचाना पड़ रहा है। अभिभावक ही नहीं बल्कि वाहन चलाने वाले चालक भी परेशान हैं। वे भी बताते हैं कि

बसों में जगह नहीं है। अगर कोई हादसा हो गया तो जिम्मेदारी किसकी होगी। यह समस्या 15 तारीख से लगातार बनी हुई है।

इनका कहना है- बच्चों को बसें नहीं मिल रही हैं। पिछले आठ दिनों से अधिक समय से परेशानी बनी हुई है। हमने अतिरिक्त बसों की मांग वरिष्ठ कार्यालय को भेज दी है। छात्रों और रूट की पूरी जानकारी भी उपलब्ध करा दी गई है। स्वीकृति मिलने के बाद ही नई बसें संचालित हो सकेंगी। जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर आज बसों का दो राउंड कराया गया है। रही 181 शिकायत की बात तो जब मुझे इसकी जानकारी मिली तो मैंने तुरंत बस कोआर्डिनेटर से बात की। अगर बस में जगह नहीं थी तो छात्रा को बैठाना नहीं चाहिए था और बैठाया था तो बीच रास्ते उतारना बिल्कुल गलत है। इस संबंध में कोआर्डिनेटर को नोटिस दिया गया है और पूरे मामले की सूचना भोपाल स्तर तक भेजी गई है।

- सविता सोनी, प्राचार्य सांदीपनि विद्यालय-शाजापुर

युवाओं ने सीखी डाक विभाग की कार्यप्रणाली

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। माय भारत सीहोर द्वारा युवाओं में व्यावहारिक ज्ञान और कौशल विकास के उद्देश्य से जिले के प्रधान डाकघर में एक सप्ताह के अनुभवात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम (ईएलपी) का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 1 से 7 जुलाई तक आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के प्रथम दिन अभिमुखीकरण सत्र का आयोजन किया गया।

डॉक्टर डे पर नवकार सेवा संस्थान ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों का किया सम्मान

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डॉक्टर डे (राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस) के अवसर पर नवकार सेवा संस्थान द्वारा शासकीय सिविल अस्पताल में सेवाभावी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के सम्मान में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान की सदस्यों ने अस्पताल पहुँचकर चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों का माला एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया तथा उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि चिकित्सक केवल रोगों का उपचार ही नहीं करते, बल्कि निराशा के क्षणों में आशा का संचार कर मानवता की रक्षा का महान दायित्व निभाते हैं। उनका सेवा, समर्पण एवं संवेदनशीलता का भाव समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहा है।

इस अवसर पर सूर्यमुनि चिकित्सालय में अपनी सेवाएँ दे रही नवकार सेवा संस्थान की उपाध्यक्ष डॉ. दीपशिखा जी, वैद्य राजकुमार जी चोपड़ा, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. विष्णु पाटीदार एवं डेंटिस्ट डॉ. आयुषी सांदवी का भी सम्मान किया गया।

संयोगवश इसी दिन शासकीय सिविल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री एस.एल. मुजाल्दे का जन्मदिन भी था। संस्थान की सदस्यों एवं अस्पताल स्टाफ ने केक काटकर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अस्पताल परिसर में वृक्षारोपण किया गया तथा सभी सम्मानित चिकित्सकों को पौधे भेंट कर अधिक से अधिक वृक्षारोपण का संदेश दिया गया।

उल्लेखनीय है कि 150 से अधिक महिलाओं की सशक्त सामाजिक संस्था नवकार सेवा संस्थान, श्रीमती साधना जी गोरवाड़ा के प्रेरणादायी नेतृत्व में शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा एवं जनकल्याण के विविध रचनात्मक कार्यों में निरंतर सक्रिय रहकर समाज में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुकी है। आज के इस आयोजन में संस्थान के पदाधिकारी व सदस्यों के उत्साह पूर्वक भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया।

कार्यक्रम का संचालन मेडम शीलाजी सराफ ने किया तथा अपने विचारों की अभिव्यक्ति के साथ कार्यक्रम संयोजन श्रीमती वैशाली बोकड़िया ने किया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी श्रीमती शालिनी पाटोदी ने प्रदान की।

शरद जैन मित्र मंडल ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष सतीश जैन का किया आत्मीय सम्मान

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानकवासी जैन श्रीसंघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सतीश जैन (सांवेर वाले) के अध्यक्ष बनने पर शरद जैन मित्र मंडल द्वारा उनके निवास पहुंचकर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। मित्र मंडल के सदस्यों ने पुष्पमालाएं पहनाकर, मिठाई खिलाकर एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल एवं यशस्वी कार्यकाल की मंगलकामना की।

इस अवसर पर मित्र मंडल के सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि सतीश जैन के नेतृत्व में श्रीसंघ संगठनात्मक मजबूती, सामाजिक समरसता एवं सेवा कार्यों के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि युवा सोच, समर्पण और सक्रिय कार्यशैली के साथ श्रीसंघ निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर होगा।

सम्मान कार्यक्रम के दौरान शरद जैन, राजेश सकलेचा, मनीष चपलोत, अमित बम, मनीष भण्डारी, पारसचन्द्र पोखरना एवं अनिल पावेचा उपस्थित रहे। सभी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए समाजहित में उनके सफल नेतृत्व की कामना की।

कादर बेग पुनः बने जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कांग्रेस पार्टी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता, कर्मठ एवं समाजसेवी कादर बेग पर एक बार फिर भरोसा जताते हुए उन्हें जिला कांग्रेस कमेटी का उपाध्यक्ष पुनः नियुक्त किया है। यह नियुक्ति मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रवि जोशी की अनुशंसा पर की गई है। कादर बेग वर्तमान में कांग्रेस पार्टी की और से खरगोन जिला निर्वाचन प्रभारी तथा विधानसभा क्षेत्र खरगोन (185) के मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रभारी का दायित्व भी निभा रहे हैं। संगठन में उनकी सक्रिय भूमिका, लंबे राजनीतिक अनुभव और जनसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें दोबारा यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि नाइक के नेतृत्व में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से यह नियुक्ति की गई है। अपनी नियुक्ति पर कादर बेग ने कांग्रेस नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन द्वारा जताए गए विश्वास पर पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरेंगे तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। कादर बेग की जिला कांग्रेस कमेटी का उपाध्यक्ष पद की पुनः नियुक्ति पर कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल रहा। इस अवसर पर काकू भाई, आसिफ़ प्रिंस शहर सदर जितेंद्र भावसार, राजेश मंडलोई अलीम शेख, असलम शेख, आरिफ केजीएन, अबरार आजाद, परसराम पाटीदार, मांगीलाल पाटीदार, राजू बाड़ी, जाबिर खान, इरफान खान, उबैद उल्ला, दिलावर ऑटो डील, शाहिद खान उर्फ गुड्डू, इमरान खान, वाहिद शाह सदर, हीरा परमार, प्रियांशु प्रगारे, वामन सिंह सोलंकी, विशाल वर्मा, नाजिम खान, शाहरुख भूरू खान, सादिक मिर्ज़ा, इकबाल पेंटर, प्रकाश जोशी, डेविड बेनार्ड, मुकेश गोले, कैलाश प्रजापत, हाजी समीर खान, लालू भावसार, इम्तियाज शेख, मोहसिन बाबा, साद पटेल, वसीम पीओपी, इकबाल डॉक्टर, मेहमूद बाबा, पूर्व पार्षद गुन्ना आपा, रियाज सर, अबरार (अबू) तथा सचिन जोशी, मुन्ना ठेकेदार, राउफ शाह, सज्जू बाबा, जेड शाह, राजा खान, अय्यूब लोहार, शकील खान, सोहेल बेग मिर्ज़ा, छोटू मुगल बेग मिर्ज़ा ,इमरान पान, आमिर खान, अमीन खान, गोलू मिर्ज़ा, मोनू बेग मिर्ज़ा, मोहसिन पठान, शाहिद मंसूरी, जुनेद खान बबलू ठेकदार, रफीक ठेकेदार, अनीश खान, उमर खान, अनस खान , सेजू बाबा, वसीम पान, शाकिर शाह, इसूप शाह, मोहम्मद शाह, मुस्लिम मंसूरी, खलील शाह, साजिद गांधी सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं शुभ चिंतकों ने कादर बेग को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनकी नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त किया। सभी ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व और अनुभव से जिला कांग्रेस संगठन को नई मजबूती मिलेगी।

संबल योजना से जरूरतमंद परिवारों को मिला सहारा, 8 हितग्राहियों के परिजनों को 18 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

सामाजिक सुरक्षा पेंशन के नवीन हितग्राहियों को भी वितरित किए गए स्वीकृति पत्र

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ निरंतर पात्र हितग्राहियों तक पहुँच रहा है। गुरुवार को मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना एवं एकीकृत सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत नगर परिषद बदनावर कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सिंगल क्लिक कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा गया।

नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मीना शेखर यादव की उपस्थिति में संबल योजना के अंतर्गत नगर के 8 पंजीकृत हितग्राहियों के परिजनों को कुल 18 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। योजना के तहत सात प्रकरणों में 2-2 लाख रुपये तथा एक प्रकरण में 4 लाख रुपये की सहायता राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में अंतरित की गई। नगर के वार्ड 3 के स्वर्गीय भगवन्ता बाई श्री मोहनलाल जी मकवाना स्वर्गीय राजेश श्रीमती विजया पोरवाल , वार्ड 6 स्वर्गीय भरत तिवारी श्रीमती संगीता तिवारी स्वर्गीय खेमराज वर्मा श्रीमती भावना वर्मा वार्ड 7 स्वर्गीय राजेश श्री आयुष मकवाना स्वर्गी राधेश्याम श्रीमती ललिता बाई सिंगर, वार्ड 14 स्वर्गीय कालू श्रीमती कोमल वानिया , वार्ड 15 स्वर्गी बादाम सोनू जी गोड

इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत 7 नवीन हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए। इनमें मुबारिक शाह (वार्ड 3), मोहम्मद जेकी (वार्ड 14), भूरी बाई (वार्ड 9), प्रियज शर्मा (वार्ड 10), समी (वार्ड 15) एवं तुलमा बाई (वार्ड 9) सहित पात्र हितग्राही शामिल रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मीना शेखर यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संबल योजना केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि दुःख की घड़ी में सरकार द्वारा परिवार के साथ खड़े रहने का विश्वास है। सरकार हर जरूरतमंद परिवार के सुख-दुःख में सहभागी बनकर सहयोग प्रदान कर रही है।

हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कठिन समय में मिली यह आर्थिक सहायता उनके परिवार के लिए बड़ा सहारा सिद्ध होगी।

कार्यक्रम में नगर परिषद उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह पंवार, पार्षद श्रीमती भारती राठौर, अनिता चौहान, संतोष चौहान, सुखराम देवड़ा, भेरूलाल डावर, एल्डरमैन कन्हैयालाल गुर्जर, भूपेंद्र सिंह मस्ताना, चेतन नागल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अंत में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की जनहितैषी योजनाएँ समाज के अंतिम व्यक्ति तक राहत, सुरक्षा और सम्मान पहुँचाने का कार्य कर रही हैं तथा जरूरतमंद परिवारों के लिए सच्चे अर्थों में संबल बन रही हैं।

महाविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का किया स्वागत

मार्गदर्शन एवं एनटीएफ के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी हेतु दीक्षारंभ समारोह का शुभारंभ

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय, सुसनेर में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत एवं उनके सर्वांगीण मार्गदर्शन के उद्देश्य से तीन दिवसीय दीक्षारंभ समारोह का शुभारंभ 1 जुलाई को हुआ। समारोह 1 जुलाई से 3 जुलाई 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत नव प्रवेशित विद्यार्थियों को तिलक लगाकर की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, नियमों, सुविधाओं तथा विभिन्न सहशैक्षणिक गतिविधियों से परिचित कराना है, ताकि वे अपने महाविद्यालयीन जीवन की सफल एवं सकारात्मक शुरुआत कर सकें।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में डॉ. आदिश कुमार जैन ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की स्थापना, गौरवशाली उपलब्धियों, शैक्षणिक गतिविधियों, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप संचालित पाठ्यक्रमों, महाविद्यालय के नियमों एवं उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन, समयपालन तथा व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया।

इसके पश्चात सहायक प्राध्यापक आकांक्षा श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय कार्य बल के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशालाओं, खेल सुविधाओं तथा अन्य छात्र हितकारी गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को महाविद्यालय द्वारा उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए अपने ज्ञान, कौशल एवं व्यक्तित्व का विकास करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक गण लविश जैन, श्रद्धा पांडे, सीमा मुवेल, डॉ. रेखा चंद्रपाल, रवि नागर एवं अमन जोशी ने भी अपने प्रेरक उद्बोधनों के माध्यम से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने उच्च शिक्षा के महत्व, सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों, अनुशासित जीवन, करियर निर्माण, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा महाविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम का प्रभावी एवं आकर्षक संचालन रामकुमार अंजोरिया द्वारा किया गया। अंत में काशीराम प्रजापति ने सभी प्राध्यापकों एवं उपस्थित विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए दीक्षारंभ समारोह के आगामी सत्रों में भी सक्रिय सहभागिता का आग्रह किया।

दीक्षारंभ समारोह के प्रथम दिवस का आयोजन अत्यंत उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायी वातावरण में सम्पन्न हुआ। विद्यार्थियों ने महाविद्यालय की कार्यप्रणाली, उपलब्ध सुविधाओं तथा शैक्षणिक गतिविधियों की उपयोगी जानकारी प्राप्त कर कार्यक्रम की सराहना की।

ज्योतिबा फुले सब्जी मंडी में नगर परिषद ने किया पौधारोपण

सुसनेर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को नगर परिषद सुसनेर द्वारा ज्योतिबा फुले सब्जी मंडी परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और नगर परिषद के अधिकारियों ने फलदार एवं छायादार पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के दौर में अधिक से अधिक पौधे लगाना समय की आवश्यकता है।उन्होंने नागरिकों से पौधरोपण के साथ उनकी नियमित देखभाल करने की भी अपील की। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष डॉ. सौरभ जैन, पार्षद दिलीप जैन, युगल परमार, इबाद उल्ला खान, मुकेश हरदेनिया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीएमओ हरिओम शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, नगर परिषद के कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने नगर को हरा-भरा और स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया।

तस्कर रमेश पोरवाल और रिश्तेदारों की 1.70 करोड़ की संपत्ति फ्रीज, सफेमा एक्ट के तहत कार्रवाई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ म.प्र. शासन और पुलिस मुख्यालय के निर्देशों पर मंदसौर पुलिस ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। एनडीपीएस एक्ट के मामले में सजायाफ्ता तस्कर रमेशचन्द्र पोरवाल और उसके परिजनों की करीब 1 करोड़ 70 लाख रुपये की अवैध संपत्ति को सफेमा न्यायालय मुंबई के आदेश पर फ्रीज कर दिया गया है।

?पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देशन व एएसपी तेर सिंह बघेल के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। पिपलियामंडी थाना प्रभारी विक्रम सिंह इवने ने सजायाफ्ता आरोपी रमेशचन्द्र (निवासी खात्याखेड़ी, नाहरगढ़) की वंशावली तैयार की थी। इसके आधार पर आरोपी, उसके परिवार और रिश्तेदारों द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गई कृषि व आवासीय भूमि की जानकारी जुटाई गई।

पुलिस द्वारा तैयार केस को सफेमा न्यायालय मुंबई के समक्ष प्रस्तुत किया गया था, जहां सुनवाई के बाद कोर्ट ने 1,70,45,040 रुपये की संपत्ति को फ्रीज करने का अंतिम आदेश जारी कर दिया। बता दें कि आरोपी रमेशचन्द्र पोरवाल के खिलाफ वर्ष 2006 में पिपलियामंडी थाने पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था। इसमें कोर्ट ने 27 फरवरी 2012 को आरोपी को दोषी मानते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास और 1 लाख रुपये के अर्थदंड से दंडित किया था।

यशोधर्मन नगर थाना पुलिस ने 6 घंटे के भीतर राजस्थान से सकुशल मुक्त कराई गई नाबालिग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना वायडी नगर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अपहरण की शिकार एक नाबालिग बालिका को मात्र 6 घंटे के भीतर पड़ोसी राज्य राजस्थान के रावतभाटा से सकुशल बरामद किया है। रोशन कॉलोनी, मंदसौर के एक परिवार ने 30 जून 2026 को वायडी नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग बेटी 29 जून की शाम करीब 6:30 बजे से घर से बिना बताए कहीं लापता है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 137(2) बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा, एवं सीएसपी जितेन्द्र भास्कर के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक शिवांशु मालवीय के निर्देशन में उपनिरीक्षक विनय बुन्देला ने टीम का नेतृत्व संभाला। गठित टीम ने बिना वक्त गंवाए मनोवैज्ञानिक और आधुनिक तकनीकी साक्ष्यों (साइबर सेल व लोकेशन ट्रैकिंग) का सहारा लिया। पुलिस की सटीक रणनीति के चलते अपहृता का सुराग राजस्थान में मिला।

केकेसीएल ने इंदौर के जूनियर किलर स्टोर में 'चिकारा' आधारित फैमिली एक्टिवेशन के साथ रिटेल अनुभव को बनाया और भी खास

इंदौर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत की अग्रणी घरेलू फैशन कंपनियों में से एक केवल किरण क्लोदिंग लिमिटेड (केकेसीएल) ने इंदौर स्थित अपने जूनियर किलर स्टोर में एक आकर्षक इन-स्टोर एक्टिवेशन का आयोजन किया। इस पहल के माध्यम से कंपनी ने खरीदारी को मनोरंजन के साथ जोड़ते हुए युवा परिवारों के लिए एक यादगार अनुभव तैयार किया। स्टोर को एक जीवंत और उत्साहपूर्ण स्थान में परिवर्तित किया गया, जहां बच्चों और अभिभावकों ने रचनात्मक एवं इंटरैक्टिव गतिविधियों का आनंद लिया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा चिकारा, जूनियर किलर का लोकप्रिय निंजा मैस्कॉट, जिसने बच्चों के साथ विशेष मुलाकात और संवाद सत्रों के माध्यम से उनका मनोरंजन किया। कार्यक्रम में छ्ठ्ठ्ङ्घ आयरन-ऑन पैच गतिविधि, व्यक्तिगत फ्रेम के साथ इंटरैक्टिव फोटो बूथ, मजेदार खेल एवं प्रतियोगिताएं तथा विशेष उपहार वितरण जैसी कई गतिविधियां आयोजित की गईं, जिन्होंने बच्चों और उनके परिवारों के लिए इस अनुभव को और भी यादगार बना दिया।

इस आयोजन में बड़ी संख्या में परिवारों ने भाग लिया, जिससे स्टोर में ग्राहकों की सहभागिता बढ़ी और उनकी विजिट अवधि भी लंबी हुई। साथ ही, यह पहल जूनियर किलर को अपने उपभोक्ताओं के साथ एक सामान्य खरीदारी अनुभव से आगे बढ़कर अधिक गहरा जुड़ाव स्थापित करने में सफल रही।

उपभोक्ताओं की पसंद अब अनुभव-आधारित खरीदारी की ओर तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में केकेसीएल बच्चों के रिटेल अनुभव को बेहतर बनाने के लिए मनोरंजन और खरीदारी का प्रभावी समावेश कर रहा है। इस प्रकार की पहलें परिवारों के साथ मजबूत भावनात्मक संबंध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

इस पहल पर टिप्पणी करते हुए केवल किरण क्लोदिंग लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक हेमंत जैन ने कहा, ÷आज के परिवार उत्कृष्ट उत्पादों के साथ-साथ सार्थक और यादगार अनुभव भी चाहते हैं। चिकारा, जूनियर किलर की जीवंत और खेलपूर्ण भावना को साकार करता है, जिससे हमें बच्चों के साथ जुड़ने और अभिभावकों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत बनाने में मदद मिलती है। इस तरह के एक्टिवेशन इंटरैक्टिव और परिवार-केंद्रित रिटेल वातावरण विकसित करने की हमारी सोच को आगे बढ़ाते हैं, जो ग्राहक सहभागिता और फुटफॉल दोनों को बढ़ावा देते हैं।÷

जूनियर किलर के देशभर में विस्तार के साथ, 'चिकारा डे' जैसी अनुभवात्मक पहलें केकेसीएल की ओम्नीचैनल रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनी हुई हैं। ये पहलें युवा ग्राहकों और उनके परिवारों के साथ दीर्घकालिक संबंध स्थापित करने में सहायक हैं।

पंचायत भवन में रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग से जल संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जनपद पंचायत रामा अंतर्गत ग्राम पंचायत चुडेली में पंचायत भवन पर रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली का सफलतापूर्वक निर्माण किया गया है। 15वें वित्त आयोग मद से लगभग 31 हजार रुपये की लागत से निर्मित यह परियोजना जल संरक्षण की दिशा में एक अनुकरणीय एवं प्रेरणादायक पहल के रूप में सामने आई है।

ग्राम पंचायत चुडेली में 02 अक्टूबर 2024 को प्रारंभ किए गए इस कार्य के अंतर्गत पंचायत भवन की छत पर एकत्रित होने वाले वर्षा जल को वैज्ञानिक पद्धति से पाइपलाइन के माध्यम से फिल्टर चैंबर तक पहुंचाया जाता है, जहां से इसे सुरक्षित रूप से भूजल पुनर्भरण (रीचार्ज) हेतु भूमि में प्रवाहित किया जाता है। इस प्रणाली के माध्यम से वर्षा जल का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है तथा जल संरक्षण के प्रति स्थानीय स्तर पर सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ है।

रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली के निर्माण से वर्षा का पानी व्यर्थ बहने से रोकने में सफलता मिली है। साथ ही, पंचायत भवन परिसर में जलभराव की समस्या में कमी आई है तथा आसपास के क्षेत्रों में भूजल स्तर को संरक्षित एवं संवर्धित करने में सहायता प्राप्त हो रही है। यह पहल जल संसाधनों के सतत प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रही है।

इस नवाचारपूर्ण कार्य का सकारात्मक प्रभाव ग्रामीण समुदाय पर भी देखने को मिला है। ग्रामवासियों में वर्षा जल संचयन के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई है तथा अनेक ग्रामीणों ने अपने आवासों एवं अन्य संस्थानों में भी इसी प्रकार की व्यवस्था विकसित करने में रुचि व्यक्त की है। इस प्रकार ग्राम पंचायत चुडेली का यह मॉडल जल संरक्षण के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरा है।

यह पहल राज्य शासन के जल गंगा संवर्धन अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रही है तथा जल संरक्षण के प्रति जनभागीदारी को सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है।

नाम परिवर्तन की सुचना

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि मैं बुरहानउद्दीन बड़नगर वाला ने अपने नाबालिग बच्चे QUSAI S/O. BURHANUDDIN कुसय पिता बुरहानउद्दीन जो की उसके पुराने पासपोर्ट (क्र. M7897359) में अंकित है, का नाम बदलकर QUSAI BADNAGAR WALA S/O. BURHANUDDIN BADNAGAR WALA कुसय बड़नगर वाला पिता बुरहानउद्दीन बड़नगर वाला कर दिया है, जो कि मेरे बेटे के आधार एवं जन्म प्रमाण पत्र में अंकित है। अब मेरे पुत्र को इसी नाम से जाना व पहचाना जाता है।

BURHANUDDIN BADNAGAR WALA
S/O. ISMAIL BHAI (Passport No. AP257155)
निवासी - फ्लेट न.304, मुबारक मंजिल, वीर दुर्गादास मार्ग, उज्जैन

नीमच पुलिस का 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान तेज, गांव-शहर में साइबर अपराधों से बचाव का दिया संदेश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में बढ़ते साइबर अपराधों और ऑनलाइन ठगी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार 24 जून से 8 जुलाई 2026 तक प्रदेशव्यापी सेफ क्लिक-2.0 अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार, 30 जून को नीमच जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में व्यापक साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों, विद्यार्थियों और युवाओं को साइबर ठगी के नए-नए तरीकों से अवगत कराते हुए सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक करना है।

पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमलता अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले के सभी थाना एवं चौकी क्षेत्रों में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में पुलिस अधिकारियों ने लोगों को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताते हुए जागरूक रहने का संदेश दिया।

अभियान के तहत थाना मनासा, थाना कुकड़ेश्वर के ग्राम सेमली इस्तमुरार, थाना बघाना के रेलवे स्टेशन, थाना जावद के ग्राम मोड़ी, थाना रतनगढ़ के बस स्टैंड तथा थाना नीमच सिटी स्थित सिलवेल फैक्ट्री में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान साइबर सुरक्षा संबंधी पंपलेट वितरित किए गए तथा नागरिकों को साइबर सुरक्षा की शपथ भी दिलाई गई।

कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को सोशल मीडिया एवं इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां तथा साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नए हथकंडों की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, एपीके फाइल डाउनलोड करने से बचने, अपनी बैंकिंग एवं व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने तथा मजबूत पासवर्ड का उपयोग करने की सलाह दी।

इस दौरान डिजिटल अरेस्ट, फर्जी इन्वेस्टमेंट ऐप, व्हाट्सएप हैकिंग, फर्जी कैशबैक एवं रिफंड ऑफर, फेक कॉल, फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल, जॉब स्कैम, मैट्रिमोनियल वेबसाइट फ्रॉड, बैंकिंग एवं पेंशन संबंधी साइबर ठगी जैसे मामलों से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार के लालच, दबाव या जल्दबाजी में आकर ऑनलाइन लेन-देन न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना दें।

नीमच पुलिस ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी या साइबर अपराध होता है तो वह तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कर सकता है। साथ ही राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल cybercrime.gov.in पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की सुविधा भी उपलब्ध है। पुलिस का कहना है कि साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका जागरूकता, सतर्कता और सही समय पर शिकायत करना है।

पोस्ट ऑफिस में आधार सेवाओं के लिए विशेष अभियान 4 जुलाई को

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमजन को आधार संबंधी सेवाएं सुगमता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नीमच डाक संभाग द्वारा डाकघरों के आधार एनरोलमेंट एवं अपडेट सेवा केंद्रों पर 4 जुलाई 2026 (शनिवार) को विशेष अभियान आयोजित किया जाएगा। अभियान के दौरान नागरिकों को नवीन आधार पंजीयन, आधार कार्ड में आवश्यक संशोधन, बायोमेट्रिक अपडेट तथा आधार से मोबाइल नंबर एवं ई-मेल आईडी लिंक कराने सहित विभिन्न सेवाएं प्रदान की जाएंगी। अभियान के दिन 4 जुलाई को सभी आधार सेवा केंद्र प्रातः 8 बजे से शाम 6 बजे तक संचालित रहेंगे। डाक विभाग मंदसौर-नीमच के अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने निकटतम डाकघर स्थित आधार सेवा केंद्र पर पहुंचकर इस विशेष अभियान का लाभ उठाएं। यह अभियान मंदसौर जिले के मुख्य डाकघर, सिटी डाकघर, सुवासरा मंडी, भानपुरा, गरोठ, शामगढ़, दलौदा, नाहरगढ़, सीतामऊ, बूढ़ा, मल्हारगढ़ एवं पिपलिया उपडाकघरों तथा नीमच जिले के नीमच प्रधान डाकघर, बघाना, खोर, जावद, महागढ़, मनासा, रामपुरा सहित विभिन्न डाकघरों में संचालित किया जाएगा।

मंदसौर पुलिस का 'सायबर सेफ क्लिक 2.0' अभियानः हर वर्ग को किया जा रहा जागरूक

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले में 24 जून से 8 जुलाई 2026 तक 15 दिवसीय राज्य स्तरीय इंटरनेट सुरक्षा व सायबर अपराध रोकथाम विशेष अभियान (सायबर सेफ क्लिक 2.0) चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टी.एस. बघेल के निर्देशन में सभी थाना व चौकी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में मुस्तैदी से लोगों को जागरूक कर रहे हैं।?अभियान के तहत स्कूल, कॉलेज, बस स्टैंड, मंडी प्रांगण और चौपालों पर कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। इसमें व्यवसाई, उद्यमी, कृषक, छात्र और महिलाओं सहित हर वर्ग को सायबर अपराधों से बचने की शिक्षा दी जा रही है। स्वयं पुलिस अधीक्षक ने कंट्रोल रूम में कार्यशाला लेकर आमजन को जागरूक किया। प्रचार-प्रसार के लिए पैम्फलेट, पोस्टर और बैनर भी बांटे जा रहे हैं।

मंदसौर पुलिस की मुख्य अपील- किसी भी अज्ञात व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक को न खोलें, ऑनलाइन ट्रेडिंग के लुभावने ऑफर्स और धोखाधड़ी से बचें, अपना पिन , ओटीपी और पासवर्ड कभी किसी से साझा न करें।यदि कोई सायबर फ्रॉड होता है, तो तत्काल राष्ट्रीय सायबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजनांतर्गत अनुग्रह सहायता राशि का मुख्यमंत्री द्वारा सिंगल क्लिक से अंतरण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सिवनी जिले से मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना अंतर्गत प्रदेश के 16,754 श्रमिक परिवारों को लगभग 365 करोड़ रुपये की अनुग्रह सहायता का राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया गया। इसी क्रम में जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना अंतर्गत मेघनगर, पेटलावद, थांदला, राणापुर, रामा एवं झाबुआ विकासखंडों के हितग्राहियों को भी सहायता राशि प्रदान की गई।

कलेक्टर कार्यालय परिसर में राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार प्रतिमाह के प्रथम कार्य दिवस पर आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं मध्यप्रदेश गान के सामूहिक गायन कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को कलेक्टर कार्यालय परिसर, झाबुआ में गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, झाबुआ की छात्राओं द्वारा वाद्य यंत्रों के साथ राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं मध्यप्रदेश गान की सुमधुर एवं अनुशासित प्रस्तुति दी गई। विद्यार्थियों की प्रस्तुति ने कार्यक्रम को गरिमामय स्वरूप प्रदान किया तथा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों में राष्ट्रप्रेम एवं प्रदेश गौरव की भावना का संचार किया।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं मध्यप्रदेश गान का सामूहिक रूप से गायन कर राष्ट्रीय एकता, संवैधानिक मूल्यों एवं प्रदेश के प्रति सम्मान की भावना को अभिव्यक्त किया गया।

कार्यक्रम के उपरांत कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों का परिचय प्राप्त कर उनकी प्रस्तुति की सराहना की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रदान कीं। कलेक्टर द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा के मूल्यों को आत्मसात करने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आदित्य विद्या मंदिर में हर्षोल्लास से मनाया गया डॉक्टर डे एवं ग्रीन डे, चिकित्सकों का सम्मान, पौधारोपण के साथ पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

नगर के गणमान्य नागरिकों एवं सामाजिक संस्थाओं ने भी चिकित्सकों और सीए का किया सम्मान

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आदित्य विद्या मंदिर में बुधवार को डॉक्टर डे एवं ग्रीन डे का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह और गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों (हंप्टी-डंप्टी वर्ग) एवं वरिष्ठ कक्षाओं के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम के दौरान चिकित्सकों के सम्मान के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। सभी अतिथियों एवं चिकित्सकों ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। विद्यालय के भजन सम्राट संयम सोनी ने अपनी मधुर भजन प्रस्तुति से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया, जिसकी सभी ने मुक्तकंठ से सराहना की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एस.आर. चावला, डॉ. अनिल दुबे, डॉ. हिमांशु दत्त पांडे, डॉ. प्रदीप रावल, लायंस क्लब नागदा के अध्यक्ष एस.एस. शर्मा तथा विद्यालय के संरक्षक ओमप्रकाश जायसवाल उपस्थित रहे।

विद्यालय के संरक्षक ओमप्रकाश जायसवाल ने सभी अतिथियों का स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया तथा समाज और मानव सेवा के प्रति उनके समर्पण की प्रशंसा की। कार्यक्रम का सफल संचालन विशाल साहनी एवं हेमंत सूर्यवंशी ने किया। अंत में विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

नगरभर में डॉक्टर डे एवं सीए डे पर बधाइयों का रहा सिलसिला- डॉक्टर डे एवं सीए डे के अवसर पर नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों एवं सामाजिक संस्थाओं ने चिकित्सकों तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को शुभकामनाएं एवं बधाइयां प्रेषित कीं। दिनभर विभिन्न चिकित्सालयों एवं प्रतिष्ठानों पर सम्मान और शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा रहा। इस अवसर पर अमित बम, पियूष चपलोत, रवि संधवी, रवि चौहान, नितिन जैन सहित कई नागरिकों ने चिकित्सकों एवं सीए का सम्मान कर उनके समाज के प्रति योगदान की सराहना की।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर कलेक्टर ने नव नियुक्त मेडिकल ऑफिसर्स से किया संवाद

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित होकर जिले में पदस्थापित 20 नव नियुक्त मेडिकल ऑफिसर्स के साथ बैठक आयोजित कर संवाद किया। बैठक में कलेक्टर ने सभी चिकित्सकों से परिचय प्राप्त करते हुए उनके पदस्थापना स्थल एवं कार्यक्षेत्र के संबंध में जानकारी ली तथा उन्हें जनसेवा के प्रति समर्पण एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का संदेश दिया।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि समाज में चिकित्सकों को भगवान का दर्जा दिया जाता है और इस सम्मानजनक दायित्व को सार्थक करने के लिए सेवा भाव, समर्पण एवं मानवीय संवेदनाओं के साथ कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में कार्यरत चिकित्सकों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि यहां स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता एवं पहुंच सुनिश्चित करना एक बड़ी जिम्मेदारी है।

उन्होंने चिकित्सकों को संबोधित करते हुए कहा कि चिकित्सा सेवा केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि मरीजों के प्रति सहानुभूति एवं समानुभूति के भाव के साथ कार्य करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने सभी नव नियुक्त मेडिकल ऑफिसर्स से उनकी अपेक्षाओं, कार्यशैली एवं स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

कलेक्टर ने अपने चिकित्सकीय सेवाकाल के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि एक चिकित्सक का व्यवहार एवं संवेदनशीलता मरीज और उसके परिजनों में विश्वास उत्पन्न करती है। उन्होंने सभी चिकित्सकों से ईमानदारी, समर्पण एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने में योगदान देने का आह्वान किया।

बैठक में कलेक्टर ने महिला एवं शिशु स्वास्थ्य को जिले की प्राथमिकताओं में शामिल बताते हुए हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान, उपचार एवं नियमित निगरानी, एएनसी जांच तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से संबंधित समस्त गतिविधियों को गंभीरता एवं पूर्ण ईमानदारी के साथ संपादित करने के निर्देश दिए।

प्रशासन की पहल से गौशाला पंचमुखी हनुमान मंदिर विवाद सुलझा, आपसी सहमति से समाप्त हुआ मनमुटाव

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में श्रीकृष्ण गोपाल गौशाला एवं पंचमुखी हनुमान मंदिर समिति के बीच भूमि एवं बाउंड्री निर्माण को लेकर चल रहा विवाद बुधवार को प्रशासन की पहल से सौहार्दपूर्ण वातावरण में समाप्त हो गया। दोनों समितियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में बैठक कर आपसी सहमति से सभी विवादों का निराकरण किया तथा भविष्य में भाईचारे और समन्वय के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

बैठक में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) जावरा ग्रामीण संदीप मालवीय, नायब तहसीलदार भगवान सिंह ठाकुर, थाना प्रभारी संतोष चौरसिया तथा पटवारी सलीम मंसूरी उपस्थित रहे। अधिकारियों की मध्यस्थता में दोनों पक्षों ने कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमति बनाई।

सहमति के अनुसार गौशाला को आवंटित भूमि पर प्रथम चरण में बीम, कॉलम एवं जीआई जाली से बाउंड्री का निर्माण किया जाएगा। इसके बाद गौशाला समिति अपनी ओर से पीछे की दिशा में दूसरी बाउंड्री का निर्माण कराएगी। मुख्य बाउंड्री में दो प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे, जबकि पीछे की बाउंड्री में आवश्यकता अनुसार एक या अधिक गेट रखे जा सकेंगे। पीछे की बाउंड्री के संबंध में अंतिम निर्णय प्रशासन द्वारा स्थल निरीक्षण के बाद लिया जाएगा।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पंचमुखी हनुमान मंदिर से शिवालय तक आने वाले मार्ग पर एक गेट बनाया जाएगा, जिसका उपयोग मंदिर समिति स्वतंत्र रूप से करेगी। इस व्यवस्था पर गौशाला समिति ने वर्तमान एवं भविष्य में किसी प्रकार की आपत्ति नहीं करने की सहमति दी।

दोनों समितियों ने यह भी तय किया कि यज्ञशाला एवं शिवालय सभी श्रद्धालुओं के लिए खुले रहेंगे तथा उनका उपयोग आपसी समन्वय एवं समयानुसार किया जाएगा। इस संबंध में किसी भी पक्ष को आपत्ति का अधिकार नहीं रहेगा तथा पूर्व के सभी विवाद समाप्त माने जाएंगे।

सहमति के अनुसार प्रथम एवं द्वितीय बाउंड्री के मध्य स्थित क्षेत्र में केवल यज्ञशाला एवं शिवालय ही रहेंगे। इस स्थान पर कोई स्थायी निर्माण या व्यावसायिक गतिविधि नहीं होगी तथा यह प्रतिबंध दोनों पक्षों पर समान रूप से लागू रहेगा।

बैठक के अंत में दोनों समितियों ने आपसी मनमुटाव समाप्त कर सामाजिक सौहार्द, धार्मिक समरसता एवं सहयोग की भावना के साथ आगे कार्य करने का संकल्प लिया। प्रशासनिक अधिकारियों ने भी दोनों पक्षों के इस सकारात्मक निर्णय की सराहना करते हुए इसे नगर में भाईचारे और सामाजिक एकता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की त्रैमासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न, खाद्य एवं औषधि संबंधी अनियमितताओं के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत होगी सख्त कार्यवाही- कलेक्टर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत जिले में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा प्रथम त्रैमासिक सत्र में किए गए कार्यों की समीक्षा जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक में की गई। इसके पश्चात औषधि प्रशासन की पृथक समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें विगत तीन माह में की गई कार्यवाहियों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री राहुल सिंह अलावा ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में दो खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की पदस्थापना के साथ प्रथम त्रैमासिक सत्र में निर्धारित 150 नमूना लक्ष्य के विरुद्ध कुल 169 खाद्य नमूने संग्रहित कर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल को परीक्षण हेतु भेजे गए हैं। प्राप्त 60 परीक्षण प्रतिवेदनों के आधार पर अमानक एवं असुरक्षित खाद्य पदार्थों सहित अन्य प्रकरणों में अपर जिला दण्डाधिकारी न्यायालय में कुल 32 प्रकरण दर्ज किए गए। इनमें से माननीय न्यायालय द्वारा 25 प्रकरणों का निराकरण करते हुए कुल 1 लाख 67 हजार रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया, जिसमें से 53 हजार रुपये की वसूली प्रथम त्रैमासिक सत्र में विभाग द्वारा जमा कराई गई है।

बैठक में जिला स्तरीय सलाहकार समिति के सदस्य एवं अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के जिला अध्यक्ष श्री अखिल त्रिवेदी तथा जिला सचिव श्री अश्विनी शर्मा ने जिले में खाद्य पदार्थों में संभावित मिलावट की रोकथाम तथा होटलों में निरंतर उपयोग होने वाले खाद्य तेल की गुणवत्ता की नियमित जांच संबंधी सुझाव प्रस्तुत किए।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने निर्देश दिए कि आगामी त्रैमासिक सत्र में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप नमूना संग्रहण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि जिले में पंजीकृत खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण रेंडमाइजेशन प्रणाली के माध्यम से किया जाए, जिससे निरीक्षण व्यवस्था अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बन सके तथा सभी श्रेणी के खाद्य व्यवसायियों का व्यवस्थित निरीक्षण एवं नमूना परीक्षण संभव हो सके।

कलेक्टर ने विशेष रूप से पनीर एवं मसालों में मिलावट की संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए इनके नियमित नमूने लिए जाने के निर्देश दिए। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग तथा शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि जिले की सभी आंगनवाड़ियों, छात्रावासों, मैस एवं कैंटीनों का शत-प्रतिशत खाद्य सुरक्षा पंजीयन खाद्य सुरक्षा प्रशासन के सहयोग से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा की जा रही कार्रवाईयों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए।

इसके उपरांत औषधि प्रशासन की समीक्षा बैठक में ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा बताया गया कि विगत तीन माह में जिले के मेडिकल स्टोर्स पर कुल 75 निरीक्षण किए गए, 14 औषधि नमूने लिए गए तथा 6 निलंबन एवं 5 लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की गई है। इसके अतिरिक्त पारा, राणापुर एवं मेघनगर में ब्लड स्टोरेज सेंटरों के अनुमोदन हेतु प्रस्ताव भोपाल कार्यालय को प्रेषित किए गए हैं। वर्तमान में जिले के पेटलावद एवं थांदला में दो ब्लड स्टोरेज सेंटर संचालित हैं।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने औषधि विभाग को निर्देशित किया कि चयनित मेडिकल स्टोर्स का सघन निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि वे स्वयं भी जिले के मेडिकल स्टोर्स का आकस्मिक एवं रेंडम निरीक्षण करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि खाद्य एवं औषधि संबंधी अनियमितताओं के प्रति जिला प्रशासन की जीरो टॉलरेंस नीति रहेगी तथा आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में एसडीओपी श्री कमलेश शर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुन्नालाल चोपड़ा, जिला आपूर्ति अधिकारी श्री महेश बडोले, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सुश्री पिंकी डिंडोर, जिला शिक्षा अधिकारी श्री रूपसिंह बामनिया, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग श्री अजय चौहान, पोषण प्रशिक्षक श्रीमती प्रियंका राठौर, अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के जिला अध्यक्ष श्री अखिल त्रिवेदी, जिला सचिव श्री अश्विनी शर्मा, होटल व्यवसाय प्रतिनिधि श्री दीपक जैन (होटल रूपश्री), किराना व्यवसाय प्रतिनिधि श्री पंकज मोगरा (पंकज सेल्स एजेंसी, झाबुआ), खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री राहुल सिंह अलावा एवं श्री वेलसिंह मोरी सहित संबंधित अधिकारी एवं प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

नामांतरण प्रस्ताव पर फूटा कांग्रेस का आंतरिक विवादः सम्मेलन के बाद आमने-सामने आए पार्षद

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिका परिषद के विशेष सम्मेलन के समापन के बाद बुधवार को कांग्रेस के दो पार्षदों के बीच नामांतरण प्रस्ताव को लेकर विवाद खुलकर सामने आ गया। परिषद की बैठक समाप्त होते ही नेता प्रतिपक्ष योगेश प्रजापति और वार्ड क्रमांक 37 की पार्षद के प्रतिनिधि शराफत अली के बीच तीखी बहस शुरू हो गई, जो देखते ही देखते धक्का-मुक्की और अपशब्दों के आदान-प्रदान तक पहुंच गई। मौके पर मौजूद कांग्रेस और भाजपा के अन्य पार्षदों ने तत्काल हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को शांत कराया,जिससे मामला आगे नहीं बढ़ा।

पुरानी नगर पालिका भवन बंगला नंबर-60 में आयोजित विशेष सम्मेलन में कुल 44 प्रस्ताव रखे गए, जिन्हें बहुमत के आधार पर पारित किया गया। हालांकि करीब 350 नामांतरण प्रकरणों में शामिल बोहरा समाज की महिला सकीना के नामांतरण प्रस्ताव पर नेता प्रतिपक्ष योगेश प्रजापति द्वारा पूर्व में आपत्ति दर्ज कराए जाने के मामले में विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। बैठक के दौरान शुरू हुआ मतभेद परिषद कक्ष से बाहर निकलते ही खुलकर सामने आ गया।विवाद के बाद शराफत अली ने कहा कि परिषद ने सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद संबंधित नामांतरण को सही मानते हुए पारित किया है। उनका कहना था कि जब 350 नामांतरण स्वीकृत किए जा रहे थे तो केवल एक नामांतरण पर आपत्ति का कोई औचित्य नहीं था।उन्होंने आरोप लगाया कि बाहर आकर नेता प्रतिपक्ष ने यह टिप्पणी की है कि किसी ने पैसे लेकर नामांतरण पास कराया है। शराफत अली ने कहा कि बिना किसी प्रमाण के ऐसे आरोप लगाना गलत है। उन्होंने यह भी कहा कि संबंधित महिला पहले से परेशान है और उसका नामांतरण नियमों के अनुरूप था,इसलिए परिषद ने उसे मंजूरी दी।वहीं नेता प्रतिपक्ष योगेश प्रजापति ने विवाद के बाद अपनी सफाई देते हुए कहा कि उनका आरोप कांग्रेस पार्षदों पर नहीं, बल्कि भाजपा पार्षदों पर था। उनका कहना था कि नगर पालिका में एक सिंडिकेट की तरह काम होता है, जहां पैसे लेकर आवासीय को व्यावसायिक और व्यावसायिक को आवासीय किए जाने जैसे मामलों को मंजूरी दिलाई जाती है।उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्षदों पर उन्होंने कोई आरोप नहीं लगाया और परिषद के बाहर जो विवाद हुआ,वह गलतफहमी का परिणाम था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथी उनके अपने हैं और किसी प्रकार का व्यक्तिगत आरोप उन पर नहीं लगाया गया।परिषद के बाहर हुए इस घटनाक्रम ने कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान को सार्वजनिक कर दिया। धक्का-मुक्की, तीखी नोकझोंक और अपशब्दों के इस्तेमाल से कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। हालांकि अन्य पार्षदों की समझाइश के बाद मामला शांत हो गया, लेकिन नामांतरण प्रस्ताव को लेकर शुरू हुआ यह विवाद नगर पालिका की राजनीति में नई चर्चा का विषय बन गया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

सैकड़ों बड़े पेड़ काटे लेकिन शिफ्ट नहीं किये

शहरी क्षेत्रों में लगातार पेड़ों की कटाई के कारण तापमान 3 डिग्री तक बढ़ा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में पेड़ काटने के बाद उनको नया जीवन देने के कोई प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। जबकि न सिर्फ गिरे हुए पेड़ों को नया जीवन दिया जा सकता है, बल्कि सफलतापूर्वक उनको दूसरी जगह शिफ्ट एवं लगाया भी जा सकते हैं। हालांकि पूर्व में उज्जैन नगर निगम ने कुछ स्थानों पर ट्री ट्रांसप्लांट का प्रयास किया था लेकिन उसके रिजल्ट ज्यादा उत्साह जनक नहीं रहे। इसलिए अब यहाँ पेड़ों की कटाई से शहर का तापमान में 3 डिग्री तक की बढ़त देखी गई है।

उल्लेखनीय है कि उज्जैन में विकास के नाम पर अब तक हजारों पेड़ काट दिए गए हैं, लेकिन अभी तक यहां हरियाली के पौधे नहीं लगाए गए हैं। इसकी वजह से उज्जैन में पर्यावरण संतुलन तेजी से बिगड़ता जा रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर पक्षियों पर पड़ रहा है। पेड़ों की बेतहाशा कटाई की वजह से कई पक्षियों की प्रजातियाँ शहर से विलुप्त होती जा रही हैं। यह एक गंभीर समस्या है। दूसरी तरफ हरियाली खत्म होने से मौसम पर भी इसका असर पड़ रहा है। खासतौर से जहाँ पहले घने पेड़ होते थे, कटाई के बाद वहाँ तापमान में भी 3 से 5 डिग्री तक का अंतर आ गया है। वहीं शहर में आए दिन पेड़ काटने की घटनाएं सामने आ रही हैं। लेकिन जिम्मेदार विभाग चुप्पी साधे हुए हैं। एक जानकारी के मुताबिक जर्मनी में पेड़ों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए विशेष मशीनों का उपयोग किया जाता है। इन मशीनों को ट्री ट्रांसप्लांटर या ट्री स्पेड कहा जाता है। ये मशीनें बड़े पेड़ों को भी आसानी से उखाड़कर, बिना बिना नुकसान पहुँचाए, दूसरी जगह लगा सकती हैं। जर्मनी में इन मशीनों का उपयोग न केवल पेड़ों को लगाने के लिए किया जाता है, बल्कि उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए भी किया जाता है। यह तकनीक विशेष रूप से उन मामलों में उपयोगी है जहाँ पेड़ों को विकास के लिए या निर्माण कार्यों के कारण स्थानांतरित करने की आवश्यकता होती है। गुजरात में भी पेड़ों को शिफ्ट करने के लिए इन्हीं मशीनों का उपयोग किया जाता हैं। ये मशीनें पेड़ों को बिना नुकसान पहुंचाए, उनकी जड़ों सहित, एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में मदद करती हैं। जर्मनी और गुजरात से सीख लेकर मध्यप्रदेश में भी पेड़ों को नष्ट करने के बजाय शिफ्ट करने का प्रयास क्यों नहीं किया जाता।

यह है पेड़ शिफ्टिंग की मशीनें

ट्री स्पेड्सः ये मशीनें एक बड़े, गोल ब्लेड का उपयोग करके पेड़ को काटती हैं और फिर उसे एक विशेष कंटेनर में उठाती हैं।

ट्री शावलः ये विशेष मशीनें पेड़ को चारों तरफ से खोदकर, उसकी जड़ों को नुकसान पहुंचाए बिना, उसे उठाती हैं।

ट्री क्रेनः ये मशीन बड़ी होने के साथ ही भारी होती है। इस मशीन की मदद से पेड़ों को आसानी से उठाकर दूसरी जगह ले जाकर शिफ्ट किया जा सकता है।

नवीन सत्र का शुभारंभ पौधारोपण से, एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत लगाए पौधे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा पौधारोपण के साथ किया गया। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में वट, आम एवं आंवला के पौधे रोपित किए गए। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने नवप्रवेशित छात्राओं का स्वागत करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज रोपे गए पौधे जिस प्रकार समय के साथ विकसित होकर वृक्ष बनेंगे, उसी प्रकार महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाली छात्राएँ भी ज्ञान, संस्कार और व्यक्तित्व के विकास के साथ समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी। उन्होंने छात्राओं से इन पौधों के संरक्षण का संकल्प भी दिलाया। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी मोनिका परमार के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अजय भार्गव, डॉ. महेंद्र जैन, डॉ. कविता जैन मंगलम, इंदु बंसल, डॉ. अंजना बुंदेला, डॉ. स्मिता देराश्री, डॉ. आनंद सिंदल, मीरा यादव, डॉ. मधु खंडेलवाल, डॉ. एकता दुबे सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का संदेश दिया गया।

धर्मस्व विभाग द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शक्तिपीठ माँ हरसिद्धि मंदिर परिसर में वटसावित्री पूर्णिमा के अवसर पर संचालनालय धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, मध्यप्रदेश द्वारा श्री हरसिद्धि मंदिर प्रबंध समिति एवं मंदिर मित्रों के सहयोग से बुधवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए तथा उपस्थित अधिकारियों एवं मंदिर स्टाफ को भी पौधे भेंट किए गए। कार्यक्रम में संचालनालय के संयुक्त संचालक डॉ. पी.एस. मालवीय, उप संचालक श्री श्रेयस गोखले, अधीक्षक श्रीमती रूबी यादव तथा श्री हरसिद्धि मंदिर के सहायक प्रशासक श्री इंद्रेश सहित मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

उत्तरप्रदेश के बदमाश ने चुराया था सवा लाख का मोबाइल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा एक्सप्रेस ट्रेन में चार्जिंग पर लगा 1.30 लाख कीमत का मोबाइल चोरी करने वाला बदमाश उत्तरप्रदेश का होना सामने आया है। जीआरपी ने उसे तकनीकी साक्ष्य के आधार पर हिरासत में लिया तो उसके पास से चोरी के चार अन्य मोबाइल भी बरामद हो गये। जीआरपी थाना प्रभारी अमित कुमार भावसार ने बताया कि 28 जून को मालवा एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे पृथ्वी सोनार निवासी नंदुरबार (महाराष्ट्र) ने ट्रेन के उज्जैन पहुंचने पर शिकायत दर्ज कराई कि ट्रेन के एसी कोच में यात्रा कर रहा था, उसने अपना मोबाइल चार्जिंग पर लगाया था। विक्रमनगर स्टेशन के आसपास सैमसंग गैलेक्सी एस-25 अल्ट्रा मोबाइल फोन जिसकी कीमत लगभग 1.30 लाख रुपये है, अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया। शिकायत पर मामले में जांच शुरू की गई और तकनीकी साक्ष्य के आधार पर लोकेशन ट्रेस करने का काम शुरू किया गया। वहीं देवास, इंदौर और उज्जैन स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखना शुरू किये। तकनीकी मदद से मोबाइल चोरी करने वाले धर्मेंद्र पिता श्याम बिहारी 19 साल निवासी सुभाष नगर ग्राम गोहाण्ड थाना जरिया जिला हमीरपुर उत्तरप्रदेश को एक दिन की तलाश के बाद हिरासत में ले लिया गया। जिसके पास से पृथ्वी सोनार का मोबाइल बरामद किया गया। वहीं चार अन्य मोबाइल भी जप्त किये गये, जो चोरी के होना सामने आये है। चारों मोबाइल के मालिकों का पता लगाया जा रहा है। उत्तरप्रदेश का बदमाश अंतर्राज्यीय स्तर ट्रेनों में वारदात करता था। जिसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

लवकुश चौराहे पर ब्रिज के गर्डर डालने से रोज लग रहा एक घंटे का जाम

इंदौर-उज्जैन का सफर दो घंटे में हो रहा पूरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर से उज्जैन आने वाले यात्रियों के लिए इन दिनों लवकुश चौराहा सबसे बड़ी परेशानी का कारण बना हुआ है। यहां ब्रिज निर्माण के तहत गर्डर डालने का कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य के दौरान यातायात की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से प्रतिदिन एक से डेढ़ घंटे तक लंबा जाम लग रहा है। इसका असर यह है कि सामान्य दिनों में करीब एक घंटे में पूरा होने वाला इंदौर-उज्जैन का सफर अब दो घंटे या उससे अधिक समय में तय हो रहा है।

उज्जैन की ओर आने वाले यात्रियों का कहना है कि अरबिंदो कॉलेज के आगे लवकुश चौराहे पर निर्माण कार्य के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। सुबह और शाम के व्यस्त समय में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है तथा हजारों वाहन घंटों तक जाम में फंसे रहते हैं। इंदौर का लवकुश चौराहा एमआर-10 बायपास और सांवेर रोड का प्रमुख जंक्शन है। इसी मार्ग से उज्जैन रोड के अलावा भंवरासला आवासीय क्षेत्र, सांवेर रोड औद्योगिक क्षेत्र और नए अंतरराज्यीय बस टर्मिनल की ओर जाने वाला भारी यातायात भी गुजरता है। ऐसे व्यस्त चौराहे पर निर्माण कार्य के दौरान प्रभावी ट्रैफिक डायवर्जन और वैकल्पिक मार्गों की समुचित व्यवस्था नहीं किए जाने से प्रतिदिन हजारों वाहन प्रभावित हो रहे हैं। इस जाम से सबसे अधिक परेशानी नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों, बस यात्रियों, एंबुलेंस और अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को हो रही है। यात्रियों का कहना है कि निर्माण कार्य आवश्यक है, लेकिन इसके साथ यातायात संचालन की बेहतर योजना भी बनाई जानी चाहिए थी। यदि समय रहते प्रभावी डायवर्जन, पर्याप्त पुलिस बल और ट्रैफिक नियंत्रण की व्यवस्था की जाती तो लोगों को इतनी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता।

जाम से बढ़ रहा ईंधन का खर्च, समय भी हो रहा बर्बाद- प्रतिदिन लगने वाले जाम के कारण वाहन चालकों का समय तो बर्बाद हो ही रहा है, साथ ही ईंधन की खपत भी बढ़ रही है। गर्मी और उमस के बीच घंटों जाम में फंसे रहने से यात्रियों की परेशानी कई गुना बढ़ गई है। लगातार बनी इस स्थिति से लोगों में प्रशासन और निर्माण एजेंसी के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोगों ने मांग की है कि निर्माण कार्य के दौरान यातायात व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाए, वैकल्पिक मार्गों का प्रभावी उपयोग कराया जाए तथा अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर जाम की समस्या से शीघ्र राहत दिलाई जाए। यदि जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो इंदौर-उज्जैन मार्ग पर यह समस्या आने वाले दिनों में और गंभीर हो सकती है।

शिप्रा आरती में दीपक बेचने को लेकर पुजारियों और महिलाओं में खूनी भिड़ंत, पीतल की आरती बनी हथियार

रामघाट पर श्रद्धा के बीच शर्मनाक नजारा, लात-घूंसे चले, दोनों पक्षों ने दर्ज कराए केस, वायरल वीडियो से जांच तेज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्मनगरी उज्जैन के रामघाट पर प्रतिदिन होने वाली प्रसिद्ध शिप्रा आरती रविवार शाम उस समय रणक्षेत्र में बदल गई, जब दीपक और पूजन सामग्री बेचने को लेकर पुजारियों और महिलाओं के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में जमकर मारपीट शुरू हो गई। श्रद्धालुओं के सामने लात-घूंसे चले, धक्का-मुक्की हुई और आरोप है कि पीतल की आरती तक हथियार बन गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पूरे शहर में इसकी चर्चा है। महाकाल थाना पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रविवार शाम रामघाट पर रोजाना की तरह शिप्रा आरती चल रही थी। आरती समाप्त होने के बाद घाट पर दीपक और पूजन सामग्री बेचने वाली महिलाओं को पुजारियों ने आरती स्थल के आसपास बिक्री करने से रोका। इसी बात को लेकर पहले कहासुनी हुई, जो कुछ ही मिनटों में हिंसक झड़प में बदल गई। देखते ही देखते दोनों पक्ष एक-दूसरे पर टूट पड़े और श्रद्धालुओं के बीच अफरा-तफरी मच गई।

महिलाओं का आरोप- पीतल की आरती से किया हमला- तिलकेश्वर कॉलोनी निवासी उमा यादव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपनी मां ममता परमार के साथ रामघाट पर फूल और दीपक बेच रही थीं। इसी दौरान पुजारी गणेश शर्मा ने उन्हें वहां से हटने के लिए कहा। विरोध करने पर गाली-गलौज शुरू हो गई। उमा का आरोप है कि गणेश शर्मा ने हाथ में मौजूद पीतल की आरती उनके सिर पर दे मारी। बीच-बचाव करने पहुंचीं उनकी मां ममता परमार के चेहरे और नाक पर भी पीतल की आरती से वार किया गया। वहीं शिप्रा नामक युवती के साथ भी मारपीट की गई। बाद में उनके पति सुरेश यादव मौके पर पहुंचे और विवाद शांत कराया।

पुजारियों ने पलटवार करते हुए लगाए गंभीर आरोप- दूसरी ओर पुजारी विकास शर्मा ने पुलिस को बताया कि आरती के दौरान महिलाओं को केवल पूजन सामग्री बेचने से रोका गया था। इसी बात से नाराज होकर महिलाओं ने गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। धक्का-मुक्की के दौरान उनके हाथ में रखी जलती हुई आरती उन्हीं पर गिर गई, जिससे उनके हाथ और आंख के पास चोट आई। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं ने गणेश शर्मा के साथ भी मारपीट की, जिससे उनके चेहरे और पीठ पर चोटें आईं।

वीडियो में कैद हुई पूरी घटना- घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में पुजारी और महिलाएं एक-दूसरे के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। कुछ दृश्य ऐसे भी हैं, जिनमें पीतल की आरती और दीपक फेंके जाते नजर आ रहे हैं। पुलिस ने वायरल वीडियो को जांच का महत्वपूर्ण साक्ष्य बनाया है।

चार लोग घायल, पुलिस ने दर्ज किए केस- मारपीट की इस घटना में दोनों पक्षों के तीन से चार लोगों को चोटें आई हैं। सभी घायलों का उपचार कराने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। वायरल वीडियो, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

श्रद्धा के सबसे बड़े मंच पर शर्मनाक तस्वीर- जिस रामघाट पर प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु शिप्रा आरती के दर्शन करने पहुंचते हैं, वहीं आरती के दौरान हुई मारपीट ने धार्मिक व्यवस्था और सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वायरल वीडियो ने पूरे घटनाक्रम को चर्चा का विषय बना दिया है। अब सभी की नजर पुलिस जांच और प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी है।

डॉक्टर्स डे पर टीबी मरीजों को वितरित किए गए फूड बास्केट

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित 100 दिवसीय निक्षय शिविर अभियान के तहत उज्जैन जिले में आयुष्मान आरोग्य शिविरों का निरंतर आयोजन किया जा रहा है।

शासन द्वारा उज्जैन जिले के 277 हाई रिस्क ग्रामों की सूची उपलब्ध कराई गई थी, जिनमें आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित किए जाने थे। 30 जून तक सभी 277 हाई रिस्क ग्रामों में सफलतापूर्वक आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित किए जा चुके हैं।

अभियान के दौरान अब तक लगभग 26,500 लोगों के डिजिटल एक्स-रे किए जा चुके हैं। इस अवधि में लगभग 1,100 टीबी मरीजों की पहचान की गई है, जिन्हें राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत नियमित उपचार प्रदान किया जा रहा है।

शासन के निर्देशानुसार सभी टीबी मरीजों को निःशुल्क दवाओं के साथ-साथ पोषण सहायता के रूप में फूड बास्केट भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

इसी क्रम में आज 1 जुलाई को डॉक्टर्स डे के अवसर पर आज्ञा सामाजिक संस्था द्वारा टीबी मरीजों के लिए 30 फूड बास्केट उपलब्ध कराए गए। इस अवसर पर संस्था के प्रतिनिधि डॉ. प्रिंस कुशवाह एवं श्री मनीष बैरागी उपस्थित रहे।उल्लेखनीय है कि आजा सामाजिक संस्था पूर्व में भी टीबी मरीजों के लिए फूड बास्केट उपलब्ध कराती रही है स्वास्थ्य विभाग ने संस्था के इस सराहनीय सामाजिक योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

सियार का शिकार कर पिता पुत्र खाते थे मांस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सियार का शिकार कर मांस खाने का मामला सामने आया है। चेकिंग में पकड़े युवक के मोबाइल की जांच से सामने आए मामले के बाद वन विभाग की टीम ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उसके पिता की तलाश की जा रही है।

जीवाजीगंज थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान संदिग्ध युवक मिथुन पिता राजू 21 वर्ष निवासी तिलकेश्वर कालोनी को पकड़ा था उससे पूछता शुरू की गई और उसके मोबाइल की जांच की गई। मोबाइल में सियार का शिकार करते हुए वीडियो सामने आए। इसके संबंध में जानकारी जुटा गई तो मामले में बड़ा खुलासा हो गया। मिथुन ने बताया कि वह सियार का शिकार कर मांस खाते हैं। शिकार में उसके पिता भी शामिल हैं। मामला वन विभाग से जुडा होने पर मामले की जानकारी वन विभाग के अधिकारियों को दी गई। जीवाजीगंज थाने पहुंची वन विभाग की टीम ने युवक को हिरासत में लिया और वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9,39,50,51 में प्रकरण दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से जेल भेजा गया है फरार पिता की तलाश की जा रही है।

तीन सियार का कर चुके थे शिकार- आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि उसके मोबाइल में मिला वीडियो 23 मई का है जो वह ग्राम चंदावल थाना चिंतामन के जंगल में जमीन की खोह से सियार को टांग पकड कर खिंचता हुआ और जमीन पर पटक कर मारता दिखाई दे रहा है। आरोपी ने बताया कि अब तक तीन सियार का शिकार कर चुके हैं। जानकारी यह भी सामने आ रही थी कि सियार मांस खाने के साथ तंत्र क्रिया में भी सियार का उपयोग किया जा रहा था। फिलहाल वन विभाग की टीम इस बात की पुष्टि कर रही है।

अब बिना यूनिक आईडी नहीं दौड़ेंगे ऑटो-ई-रिक्शा, 7 दिन में कराना होगा पंजीयन

हाईकोर्ट की सख्ती के बाद उज्जैन में ट्रैफिक पुलिस का बड़ा फैसला- करीब 5 हजार वाहनों का संचालन दो शिफ्ट में होगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में ऑटो और ई-रिक्शा की बढ़ती अव्यवस्था पर लगाम लगाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। अब शहर में कोई भी ऑटो या ई-रिक्शा बिना यूनिक आईडी के संचालित नहीं हो सकेगा। इसके लिए सभी चालकों को अगले सात दिनों के भीतर यातायात थाना पहुंचकर अपने वाहन का पंजीयन कराना होगा। निर्धारित समय के बाद बिना यूनिक आईडी सड़क पर मिलने वाले वाहनों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई के साथ अन्य वैधानिक कार्रवाई भी की जाएगी।

यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर बेंच ने ई-रिक्शा के बेलगाम संचालन और उन्हें मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मिली छूट पर केंद्र सरकार से जवाब तलब किया है। कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद प्रदेशभर में ई-रिक्शा संचालन को व्यवस्थित करने की कवायद तेज हो गई है। उज्जैन में भी लंबे समय से ऑटो और ई-रिक्शा की अनियंत्रित आवाजाही के कारण जाम और यातायात अव्यवस्था की समस्या बनी हुई है। हाल ही में महाकाल मंदिर क्षेत्र के चार प्रमुख मार्गों पर ऑटो और ई-रिक्शा के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया था, जिससे वहां ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार देखने को मिला। अब पूरे शहर में इसी तरह की व्यवस्था लागू करने के लिए यूनिक आईडी प्रणाली शुरू की गई है।

सात दिन में दस्तावेजों के साथ पहुंचना होगा- यातायात पुलिस ने सभी ऑटो और ई-रिक्शा संचालकों को निर्देश दिए हैं कि वे सात दिनों के भीतर आरसी, परमिट, बीमा सहित वाहन के सभी वैध दस्तावेज और चालक का आधार कार्ड लेकर यातायात थाना पहुंचें। दस्तावेजों का सत्यापन होने के बाद ही संबंधित वाहन को यूनिक आईडी जारी की जाएगी। बिना आईडी वाहन चलाने या निर्धारित शिफ्ट के अलावा संचालन करने पर कार्रवाई की जाएगी।

5 हजार वाहन दो शिफ्ट में चलेंगे- यातायात पुलिस के अनुसार शहर में करीब 5 हजार ऑटो और ई-रिक्शा पंजीकृत हैं। प्रमुख मार्गों पर वाहनों का दबाव कम करने और ट्रैफिक को सुचारु बनाए रखने के लिए अब इन सभी वाहनों का संचालन दो शिफ्टों में किया जाएगा। प्रत्येक वाहन को जारी होने वाली यूनिक आईडी के आधार पर उसकी शिफ्ट तय होगी, जिससे एक साथ सभी वाहन सड़कों पर नहीं उतरेंगे और जाम की स्थिति कम होगी।

हाईकोर्ट ने जताई थी चिंता- मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान कहा था कि प्रदेश में ई-रिक्शा की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

अदालत ने केंद्र सरकार से ई-रिक्शा को दी गई विशेष छूट की समीक्षा करने पर विचार करने को कहा है। गौरतलब है कि वर्ष 2018 में केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर बैटरी चालित ई-रिक्शा को मोटर व्हीकल एक्ट के नियम-66 के तहत परमिट और कुछ अन्य प्रावधानों से छूट दी थी। इसके बाद कई स्थानों पर बिना पर्याप्त नियंत्रण के ई-रिक्शा का संचालन बढ़ा। कई मामलों में नाबालिगों द्वारा भी ई-रिक्शा चलाने की शिकायतें सामने आईं, जिससे सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर सवाल उठने लगे। अब उज्जैन में यूनिक आईडी और शिफ्ट आधारित संचालन व्यवस्था से ट्रैफिक को अधिक व्यवस्थित बनाने की उम्मीद की जा रही है।

बाइक के सामने आया कुत्ता, जीजा की मौत, साला घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़नगर मार्ग पर जीजा-साले की बाइक के सामने स्ट्रीट डॉग (कुत्ता) आ गया जिसके चलते सड़क हादसा हो गया। दोनों को गंभीर घायल हालत में अस्पताल आ गया जहां जीजा की मौत होना सामने आया। साले का उपचार जारी है।

चिंतामण गणेश थाना पुलिस ने बताया कि उज्जैन बड़नगर मार्ग पर दोपहर में दुर्घटना होने की खबर मिली थी। पुलिस घटनास्थल चंदूखेड़ी सोयाबीन प्लांट के सामने पहुंची तो पता चला कि बाइक सवार 2 लोगों को अस्पताल भेजा गया है। अस्पताल पहुंचने पर सामने आया कि एक की मौत चुकी है। दूसरा गंभीर घायल है, जिससे जानकारी लेने पर उसका नाम जीवन पिता गंगाराम 35 साल निवासी ग्राम नलवा बताया गया। वहीं मृतक बनेसिंह पिता गणपत चौधरी 45 साल निवासी देवगढ़ बड़नगर पता चला। परिजन

खबर मिलने पर चरक अस्पताल पहुंच गये थे। उन्होने बताया कि जीवन साला और बनेसिंह जीजा है। दोनों बाइक से उज्जैन आये थे और वापस नलवा आ रहे थे। पुलिस के अनुसार घटनास्थल की जांच शुरू की गई। इस दौरान कुछ लोगों द्वारा बताया गया कि बाइक के सामने कुत्ता आ जाने से संतुलन बिगड़ने पर हादसा हुआ था। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर मृतक बनेसिंह का पोस्टमार्टम कराया है।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के विभिन्न पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश की प्रक्रिया जारी,20 जुलाई तक कर सकेंगे आवेदन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सम्राट् विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2026-27 में स्नातक/स्नातकोत्तर/प्रमाण पत्र/डिप्लोमा/पी. जी. डिप्लोमा प्रथम वर्ष/सेमेस्टर में CUET एवं सीधे प्रवेश एवं फार्मेसी संस्थान के एम. फार्मा., बी. फार्मा. (लेटरलएन्ट्री), डी. फार्मा. में रिक्त सीटों हेतु प्रवेश की तिथि में वृद्धि की जाकर प्रवेश की तिथि दिनांक 20 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है।विभिन्न अध्ययनशालाओं और संस्थानों में संचालित लगभग दो सौ अस्सी पाठ्यक्रमों में मेरिट के आधार पर सीधे प्रवेश के लिए प्रक्रिया जारी है। इन पाठ्यक्रमों के लिए एमपी ऑनलाइन के माध्यम से विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन जमा किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर प्रारम्भ हुई संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा - सीयूईटी के लिए इस वर्ष भी विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में संचालित स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन किए हैं। सीयूईटी - पोर्टल के अनुसार विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों ने सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन किए हैं। विश्वविद्यालय में एमपी ऑनलाइन के माध्यम से मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए आवेदन किए जा रहे हैं।

यह जानकारी देते हुए कुलसचिव डॉ अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न संकाय एवं विषय क्षेत्रों- पत्रकारिता एवं जनसंचार, प्रबंधन,वाणिज्य, कला, साहित्य, समाज विज्ञान, व्यवसाय प्रबंध, शिक्षा, कृषि, वानिकी, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, माईक्रोबॉयोलॉजी, आईआईपीएस, फोरेंसिक साइंस, फूड टेक्नोलॉजी, शारीरिक शिक्षा आदि से सम्बंधित अनेक रोजगारपरक और विश्वस्तरीय पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय की अध्ययनशालाओं एवं संस्थानों में संचालित लगभग 280 स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में देश के पच्चीस से अधिक राज्यों और तीन देशों के विद्यार्थी वर्तमान में अध्ययन एवं अनुसंधानरत हैं। यहां विभिन्न विषयक्षेत्रों के लिए अत्याधुनिक लैब एवं संसाधन उपलब्ध हैं, जिनकी उच्चस्तरीय गुणवत्ता है। यहाँ संचालित कोर्स वर्तमान चुनौतियों, रोजगार और वैश्विक आवश्यकता के अनुरूप प्रासंगिक हैं। इनमें विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास के लिए पर्याप्त संभावनाएं हैं।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन की अध्ययनशालाओं और संस्थानों में संचालित विभिन्न विषय क्षेत्रों से जुड़े पाठ्यक्रमों से संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विश्वविद्यालय में संचालित यूजी, पीजी, पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों पाठ्यक्रमों में प्रवेश फॉर्म जमा करने के लिए प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी विस्तृत जानकारी के लिए संबंधित अध्ययनशाला/संस्थान/विभाग अथवा विश्वविद्यालय की website-vikramuniv.ac.in पर प्राप्त कर सकते हैं। पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु विद्यार्थी एमपी ऑनलाईन के माध्यम से प्रवेश एवं शुल्क जमा करा सकेंगे।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन की अध्ययनशालाओं और संस्थानों में संचालित विभिन्न विषय क्षेत्रों से जुड़े पाठ्यक्रमों से संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विश्वविद्यालय में संचालित यूजी, पीजी, पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों पाठ्यक्रमों में प्रवेश फॉर्म जमा करने के लिए विद्यार्थी लिंक पर जाकर प्रवेश आवेदन कर सकते हैं।